केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 298 शनिवार 23 मई 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

हत्या के प्रयास के मामले में 6 आरोपी गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। बस्ती के हर्रैया थाना पुलिस, एसओजी और सर्विलांस टीम ने हत्या के प्रयास के मामले का खुलासा करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल की गई लोहे की रॉड और लकड़ी का डंडा बरामद किया है।

पुलिस के मुताबिक, हर्रैया थाने में दर्ज मुकदमे के आधार पर विपुल, संजीत, अभिषेक, शाहबान, छोटू उर्फ विक्रम और मन्टू उर्फ रजनीश को विभिन्न स्थानों से गिरफ्तार किया गया। इनमें से चार आरोपियों को खैरी ओझा मोड़ से और दो को रजौली मोड़ से पकड़ा गया।

यह घटना 24ध्25 अप्रैल 2026 की रात को हुई थी। पैकोलिया थाना क्षेत्र के छपिया गांव निवासी नीरज पर अज्ञात हमलावरों ने जानलेवा हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया था। हमलावर नीरज को घायल अवस्था में छोड़कर फरार हो गए थे।

नीरज को पहले सीएचसी हर्रैया, फिर जिला अस्पताल बस्ती और बाद में बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर किया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई थी।

पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि नीरज और मुख्य आरोपी विपुल का एक ही युवती से प्रेम संबंध था। इसी रंजिश के चलते विपुल ने अपने साथियों के साथ मिलकर नीरज को रास्ते से हटाने की योजना बनाई और इस वारदात को अंजाम दिया।

पुलिस ने यह भी बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में छोटू उर्फ विक्रम और मन्टू उर्फ रजनीश के खिलाफ पहले से भी आपराधिक मामले दर्ज हैं। इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक तहसीलदार सिंह, एसओजी प्रभारी विकास यादव सहित हर्रैया पुलिस, एसओजी और सर्विलांस टीम के कई पुलिसकर्मी शामिल थे।

सूने घर से लाखों की चोरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पैकोलिया थाना क्षेत्र के नगर पंचायत बभनान स्थित लक्ष्मीबाई नगर वार्ड में चोरों ने एक सूने घर को निशाना बनाया। चोर मुख्य गेट का ताला तोड़कर घर में घुसे और लाखों रुपये के जेवरात समेत नकदी चोरी कर फरार हो गए। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। लक्ष्मीबाई नगर वार्ड निवासी शाहिद हुसैन पुत्र नूर मोहम्मद ने बताया कि उनकी पत्नी रेशमा मंगलवार को बच्चों के साथ लखनऊ एक कार्यक्रम में शामिल होने गई थीं।

विभागों में निजी कर्मचारियों का बोलबाला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

इटवा (सिद्धार्थनगर)।'इटवा तहसील में इन दिनों निजी कर्मचारियों का दखल लगातार बढ़ता जा रहा है। तहसील परिसर में कई ऐसे लोग सक्रिय बताए जा रहे हैं जिनका सरकारी विभाग से कोई आधिकारिक संबंध नहीं है, फिर भी वे सरकारी कामकाज में हस्तक्षेप करते नजर आते हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बिना इन प्राइवेट कर्मचारियों की मदद के कई काम समय से नहीं हो पाते'

मिली जानकारी के अनुसार कुछ प्राइवेट कर्मचारी खुलेआम फाइलों और दस्तावेजों के काम में लगे रहते हैं, जिससे आम जनता परेशान है। लोगों का कहना है कि तहसील में दलालों और बाहरी लोगों का नेटवर्क सक्रिय हो चुका है, जिसके चलते पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं'

'सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि आखिर इन निजी कर्मचारियों को संरक्षण कौन दे रहा है? यदि ये लोग अधिकृत नहीं हैं तो फिर सरकारी दफ्तरों में इनकी मौजूदगी और दखल कैसे बना हुआ है'।

माता–पिता आईएएस तो बच्चे को आरक्षण क्यों

नई दिल्ली (आभा)। आरक्षण के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अहम टिप्पणी की है। कोर्ट ने ऐसे परिवारों पर सवाल खड़े किए, जिन्होंने आरक्षण की मदद से पहले ही आर्थिक और शिक्षा के क्षेत्र में तरक्की हासिल कर ली है और अब भी आरक्षण का फायदा ले रहे हैं। पिछड़े वर्गों के क्रीमी लेयर के लिए आरक्षण से जुड़े एक मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उन बच्चों के लिए आरक्षण की जरूरत पर सवाल खड़े किए, जिनके माता–पिता दोनों ही आईएस अधि

ाकारी हैं।

कोर्ट ने अहम टिप्पणी करते हुए कहा, अगर माता–पिता दोनों ही आईएएस अधिकारी हैं तो आरक्षण क्यों चाहिए? कोर्ट ने साफ कहा कि शैक्षिक और आर्थिक प्रगति से सामाजिक गतिशीलता आती है। बेंच ने कहा, 'शैक्षिक और आर्थिक सशक्तिकरण के साथ–साथ सामाजिक गतिशीलता भी आती है। ऐसे में अगर बच्चों के लिए फिर से आरक्षण मांगा जाए, तो हम इस चक्र से कभी बाहर नहीं निकल पाएंगे। यह एक ऐसा मुद्दा है जिस पर हमें भी विचार करना होगा।''

कोर्ट ने यह भी कहा कि कई सरकारी आदेशों में पहले से ही ऐसे उन्नत वर्गों को आरक्षण का फायदा लेने से रोकने के प्रावधान हैं, लेकिन अब इन्हें चौलेंज किया जा रहा है। कोर्ट ने कहा, श्शसामाजिक गतिशीलता मौजूद है। अब सरकारी आदेश हैं जो इन सभी लोगों को बाहर रखते हैं, और वे इस बहिष्कार पर सवाल उठा रहे हैं। इस बात को भी ध्यान में रखना होगा।'

डीएम की संवेदनशील पहल से छात्रा के सपनों को मिली नई उड़ान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

इटवा (सिद्धार्थनगर)। जिलाधिकारी शिव शरणप्पा जी एन ने एक बार फिर संवेदनशील प्रशासन की मिसाल पेश करते हुए एक जरूरतमंद छात्रा के चेहरे पर मुस्कान ला दी। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से आने वाली छात्रा को ऑनलाइन पढ़ाई करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था, क्योंकि उसके पास मोबाइल फोन उपलब्ध नहीं था। छात्रा की इस समस्या की जानकारी मिलने पर जिलाधिकारी ने तुरंत पहल करते हुए उसे एक स्मार्ट मोबाइल फोन उपलब्ध कराया।

इतना ही नहीं, छात्रा की पढ़ाई बिना किसी रुकावट के जारी रहे इसके लिए एक वर्ष का नेट पैक भी उपलब्ध कराया गया। मोबाइल पाकर छात्रा बेहद भावुक नजर आई और उसने जिलाधिकारी का आभार व्यक्त किया।

बताया जा रहा है कि छात्रा

कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय बांसी में कक्षा 9 की छात्रा है। ऑनलाइन क्लास और डिजिटल शिक्षा के इस दौर में मोबाइल की कमी उसके भविष्य के लिए बड़ी बाधा बन रही थी। जिलाधिकारी के इस सराहनीय कदम से अब छात्रा अपनी पढ़ाई नियमित रूप से जारी रख सकेगी।जिले में जिलाधिकारी के इस मानवीय कार्य की लोग जमकर प्रशंसा कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि प्रशासन का ऐसा संवेदनशील रवैया समाज के लिए प्रेरणादायक है और इससे जरूरतमंद बच्चों को आगे बढ़ने की नई उम्मीद मिलती है।

शत प्रतिशत रहा परीक्षा परिणाम

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

रूधौली (बस्ती)। पुरानी परंपराओं को कायम रखते हुए, मजलिस इस्लाह–उल–मुस्लिमीन हबीबिया कैडिहवा रुधौली, जिला बस्ती के तत्वावधान में संचालित मौलाना अबुल कलाम आजाद इस्लामिया स्कूल का हाईस्कूल रिजल्ट शत–प्रतिशत (100:) रहा। यूपी बोर्ड परीक्षा में.साहिबा खातून मोहम्मद इसराइल गंधरिया बुजुर्ग 80.83: प्रथम (स्कूल टॉपर).निगार अंजुम ताहिर अली कैडिहवा 65.16: तथा.हानिया मोहम्मद असलम कैडिहवा 62.33: प्रथम, नौशाद अहमद 53.33: द्वितीय।

कूल का रिकॉर्ड रहा है कि अब तक यहां का परिणाम हमेशा शत–प्रतिशत रहा है और सभी छात्र प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होते रहे हैं।

इस बार नौशाद अहमद अकेले ऐसे उम्मीदवार रहे जो द्वितीय श्रेणी में आए। हालांकि वे पढ़ाई में औसत थे, लेकिन उनके हौसले बुलंद थे। पास होने की खुशी में उन्होंने पूरे गांव में लड्डू बांटे।

प्रबंधक मोहम्मद असलम शादां बस्तवी ने कहा कि संस्थान सीमित संसाधनों के बावजूद अपने शैक्षिक मिशन को बखूबी अंजाम दे रहा है।शिक्षकों के विचाररू

मौलाना अब्दुल्ला मजाहिरी ने बच्चों की सफलता पर खुशी जाहिर की। लोकप्रिय शिक्षिका मोमिना खातून ने कहा कि विनम्रता, कड़ी मेहनत और लगन ही सफलता का राज है। उन्होंने बेहतर भविष्य के लिए बड़ों और शिक्षकों के सम्मान को भी जरूरी बताया।आमिना खातून आलिमा ने कहा कि यह शत–प्रतिशत परिणाम स्कूल के बेहतर प्रदर्शन और अनुशासन का प्रमाण है। प्रकाश चन्द्र चौधरी तथा केसरी प्रसाद सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

जनगणना ऐप लॉगिन न होने से परेशानी एसडीएम से मिला शिक्षकों का प्रतिनिधि मण्डल

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। जनगणना ड्यूटी की अनियमितताओं की समस्या को लेकर जनपद के बस्ती सदर, हार्रेया, भानपुर में पहले से ही शिक्षक लामबंद हो रहे थे वहीं रूधौली तहसील अंतर्गत नियुक्त जनगणना प्रगणक, व सुपर वाइजर विभाग द्वारा एचएलओ hlo ऐप पर लॉगिन होने की समस्या से जूझ रहा है।

दोपहर होते होते रूधौली ब्लॉक के शिक्षक संघ अध्यक्ष रजनीश मिश्र के नेतृत्व में शिक्षकों के एक प्रतिनिधिमण्डल ने उप जिलाधिकारी रूधौली से मिलकर जनगणना ऐप में आ रही तकनीकी समस्याओं से अवगत कराया जिस पर एस डी एम

ने इस तकनीकी समस्या को लखनऊ से ठीक कराने हेतु अगले चौबीस घंटे में समस्या समाधान कि बात कही ।

प्रतिनिधिमण्डल में योगेश्वर शुक्ल, अमरेश द्विवेदी, सुशील उपाध्याय, शिप्रा चौधरी, विजय नायक, गौरव द्विवेदी, शिव शंकर, उमाशंकर सिंह शिवेंद्र सिंह, तुलसीराम सहित भारी मात्रा में शिक्षक शिक्षा मित्र व अनुदेशक उपस्थित रहे।

पटेल एस.एम.एच. हास्पिटल में हुई एचआईवी, क्षय रोग की निःशुल्क जांच

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मुख्य चिकित्साधिकारी डा. राजीव निगम और क्षय रोग अधिकारी डा. ए.के. गुप्ता के दिशा निर्देशन में पटेल एस.एम.एच. हास्पिटल एण्ड पैरा मेडिकल कॉलेज गोटवा में शिविर लगाकर 100 लोगों की एचआईवी, क्षय रोग आदि की निःशुल्क जांच किया गया।

हास्पिटल के प्रबंधक डा. वी.के. वर्मा ने बताया कि सीएमओ द्वारा 100 किट उपलब्ध कराया गया था और सभी किटों का उपयोग कर लोगों की जांच किया गया। जांच रिपोर्ट सीएमओ को भेज दिया गया है। डा. वर्मा ने कहा कि किट के माध्यम से लोगों की आसानी से रोगों की जांच हो जाती है और जांच रिपोर्ट के बाद इलाज आसान हो जाता है। मरीजों के लिये ऐसे शिविर बहु उपयोगी है। उन्होने बताया कि शिविर के संचालन में सीएमओ कार्यालय से आये आदित्य कुमार मिश्र, प्रज्ञा पाण्डेय, रेनू यादव और नीतू त्रिपाठी ने सहयोग किया।

बताया कि शिविर को सम्पन्न कराने में मुख्य रूप से डा. आर.एन. चौधरी, डा. आलोक रंजन, डा. चन्दा सिंह, डा. मनोज मिश्र, डा. अतुल श्रीवास्तव, लालजी यादव, रितेश चौधरी, मनीष चौधरी, उत्कर्ष दूबे, शिव प्रसाद आदि ने योगदान दिया।

दबंग सूदखोर दे रहे हैं पत्नी से वेश्यावृत्ति कराकर बकाया वसूलने की धमकी.!

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। दबंग सूदखोरो के चंगुल में फंसे दुबौलिया थाना क्षेत्र के अजय पुत्र दुखरन के समक्ष जीवन मरण का प्रश्न उपस्थित हो गया है। उसने पत्नी के इलाज के लिये मार्च 2025 में नचना गुलौरी बुजुर्ग, थाना दुबौलिया निवासी सुड्डू दूबे से 20 हजार रूपये लिया था, वह 46 हजार रूपया वापस भी कर चुका है किन्तु दबंग सूदखोर एक लाख रूपये की और मांग कर रहे हैं। न देने पर उसे घर से उठवा लेने, पत्नी को बंधक बनाकर देह व्यापार कराकर रूपया वसूलने की धमकी दे रहे है। अजय ने एसपी को रजिस्टर्ड पत्र देकर अपने परिवार के जान माल की रक्षा, दबंग सूदखोरों से मुक्ति दिलाने की गुहार लगाया है।

एसपी को दिये पत्र में अजय ने कहा है कि रूपया देते समय सुड्डू दूबे ने कहा था कि 20000 में कुछ रूपया मिलाकर मुझे दे दीजिएगा ।धीरे धीरे करके वह सुड्डू दूबे को 46000 रूपया दे चुका है। सुड्डू दूबे व गांव के भीम सिंह उर्फ किशन चन्द्र सिंह पुत्र स्व० रमाकान्त

–पीडित ने एसपी से लगाया न्याय की गुहार
–20 हजार के बदले लिया 46 हजार, सोने का गहना, उसके बाद भी मांग रहे हैं एक लाख रूपया

सिंह जो सुड्डू दूबे के साथ ब्याज पर रूपया देने का कार्य करते है दोनो ने मिलकर पिछले तीन महीने से लगातार उससे एक लाख रूपया की मांग कर रहे है और रूपया न देने पर उसकी पत्नी को धमकी देते है कि यदि तुम्हारे पति रूपया वापस नही किया तो तुमको घर से उठा ले जाऊँगा व देह व्यापार करवा करके रूपया वसूल लूगा। वह रोजी रोजगार के सिलसिले से दिल्ली चला गया था ।12 अप्रैल 2026 को वह अपने गाव आया तो सुड्डू व भीम सिंह उसे उठाकर अपने घर ले गये और बन्धक बना लियो, लाठी डण्डा, लात मूका घूसा से मार पीट कर सुड्डू दूबे के घर में बन्द कर दिया ।उसकी 7 माह की गर्भवती है उसको अपने घर में बुलाकर धमका कर कई विडियो भी बना लिया है। विडियो बनाते समय प्रार्थी व सुड्डू दूबे, भीम सिंह उपस्थित थे तथा भीम सिंह ने ही अपने मोबाइल से वीडियो बनाकर दिखाया और कहा कि तुम दो माह के अन्दर रूपया नही दोगे तो तुमको जान से हाथ धोना पड़ेगा। उसने अपने पत्नी का कुछ सोने का जेवरात उपरोक्त लोगो को दे दिया तब उसके बावजूद वे नहीं मान रहे है और एक लाख रूपया की मांग कर रहे है। सुड्डू दूबे व भीम सिंह काफी मनबढ व दबंग तथा अपराधिक किस्म के व्यक्ति है इन लोगो के विरूद्ध जनपद के थानो में आपराधिक मुकदमें दर्ज है जिसके कारण समाज में इन लोगो का भय व आतंक बना हुआ है। उसने दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कराकर कड़ी कार्रवाई और अपने परिवार के जान माल के रक्षा की मांग किया है।

बैंको को ऋण जमा अनुपात पूरा करने का निर्देश

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती । कलेक्ट्रेट सभागार में शुक्रवार को जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्ना की अध्यक्षता में जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति एवं जिला स्तरीय पुनरीक्षण समिति की संयुक्त बैठक सम्पन्न हुयी। इस बैठक में वित्तीय वर्ष 2025–26 के चतुर्थ त्रैमास मार्च 2026 के वार्षिक ऋण योजना और विभिन्न

कल्याणकारी योजनाओं में बैंको को आवंटित लक्ष्यों के सापेक्ष प्रगति की गहन समीक्षा की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने जिले की ऋण जमा (सीडी) अनुपात की त्रैमासिक प्रगति को देखा। बैंको को इसे सुधारने के कड़े निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी द्वारा ऋण वितरण की धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि जनहित की योजनाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नही की जायेंगी। वार्षिक ऋण योजना के लक्ष्यों को समय से पूरा करने के लिए सभी बैंक प्रबंधको को आपसी समन्वय के साथ काम करें।

जनगणना डयूटी में हुई अनियमितताओं को लेकर शिक्षकों ने किया एसडीएम हर्रैया कार्यालय का घेराव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जनगणना डयूटी में हुई अनियमितताओं के सवाल को लेकर हजारों अध्यापकों ने एसडीएम कार्यालय हर्रैया का घेराव किया । घेराव के बाद एसडीएम हरैया धरना स्थल पर आए उन्होंने आश्वासन दिया कि सभी का सुधार कर देंगे बाद में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भी पहुंचे उन्होंने कहा की सभी शिक्षकों का उनके विद्यालय या विद्यालय सेवित क्षेत्र में डयूटी लग जाएगी । संज्ञान में आया है कि तहसील कर्मचारियों द्वारा गलत तरीके से ड्यूटी लगाई जा रही है यदि सुधार नहीं किया गया तो शनिवार को पुनः एसडीएम कार्यालय पर दिन में 10 बजे से धरना दिया जायेगा।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदय शंकर शुक्ला ने शिक्षकों का आवाहन किया कि जनगणना डयूटी में हुई

अनियमितताओं को दूर कराने के लिये शिक्षक शनिवार के धरने में पहुंचे जिससे समस्या का प्रभावी निस्तारण हो सके।

धरना में संगठन के सभी पदाधिकारी जिला अध्यक्ष उदय शंकर शुक्ला, चंद्रिका सिंह, बालकृष्ण ओझा, शिव प्रकाश, हरेंद्र यादव, प्रमोद त्रिपाठी, दिवाकर सिंह, सतीश शंकर शुक्ल, नरेन्द्र दुबे राजीव पाण्डेय, विकास राजीव पाण्डेय,स्कंद मिश्रा ओंकार उपाध्याय, हरिश्चन्द्र शुक्ला, जनार्दन शुक्ला, बृजेश सिंह, राजकुमार चौधरी, मदन गोपाल राजीव पाण्डेय, रामप्यारे, विनोद यादव, राजेश कुमार, रघुवर दयाल सिराज अहमद, बृज बिहारी, दिनेश वर्मा, राहुल राणा सुनील पांडे रवींद्रनाथ उपेंद्र पांडे राजेश कुमार देवनाथ सूरज प्रताप सिंह सुनील पांडे राहुल सिंह मुरलीधर सहित बड़ी संख्या में शिक्षक मौजूद रहे।

तारकोल के दाम बढेः ठेकेदार एसोसिशन ने मुख्य अभियन्ता को सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मार्ग निर्माण कार्यों में प्रयुक्त होने वाली तारकोल, बिटुमिन की दरों में अप्रत्याशित वृद्धि के कारण मार्ग कार्यों में ठेकेदारों को लगातार कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसी समस्या के समाधान की मांग को लेकर शुक्रवार को बस्ती ठेकेदार एसोसिएशन अध्यक्ष राजमोहन सिंह के नेतृत्व में पदाधिकारियों, ठेकेदारों ने लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियन्ता आनन्द कुमार को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन सौंपने के दौरान अध्यक्ष राजमोहन सिंह 'राजू', महामंत्री राजमणि सिंह ने मुख्य अभियन्ता को बताया कि अमेरिका–इजराइल, ईरान युद्ध के कारण विदुमिन के दरों में लगातार हो रही अप्रत्याशित वृद्धि के सम्बन्ध में अवगत कराया गया था और राहत की मांग की गयी थी। वर्तमान समय में इस वैश्विक संकट के कारण विकास कार्य प्रभावित हो रहा है। ज्ञात हुआ है कि तारकोल / विटुमिन की बढ़ी हुए दर का भुगतान अनुबन्ध गठित ठेकेदारों को किया जायेगा, जो दिनांक 01.04. 2026 से 30.06.2026 तक प्रभावी

–समस्याओं के निस्तारण की मांग

रहेगा जबकि विभाग द्वारा कोई लिखित सूचना अनुबन्धित ठेकेदारों को नहीं मिला है। बताया अनुबन्धित ठेकेदारों का 1 किमी0 या 1 किमी0 से कम अनुबन्ध गठित है, उन ठेकेदारों को तारकोल (विटुमिन) की सी आर सी मिलने में असुविधा हो रही है। इन छोटे ठेकेदारों के लिए उचित प्रबन्ध किया जाय। लोक निर्माण विभाग अपने स्टोर को पुनर्जीवित कर स्टोर से फ्री ऑफ कास्ट तारकोल निर्गत कर अनुबन्धित दरों से तारकोल की कटौती कर इस वैश्विक संकट से निजात दिलाते हुए विकास कार्य जारी रख सकते हैं।

ज्ञापन लेने के बाद मुख्य अभियन्ता आनन्द कुमार ने कहा कि समस्याओं का नियमानुसार निस्तारण कराया जायेगा।

तारकोल संकट को लेकर मुख्य अभियन्ता को ज्ञापन देने के दौरान एसोसिएशन वरिष्ठ उपाध्यक्ष जर्नादन पाठक, उपाध्यक्ष शिवेन्द्र प्रताप सिंह, रामफेर यादव, आशीष सिंह 'आशू', विजय यादव, रविन्द्र प्रताप सिंह, गोरख यादव, आशुतोष पाण्डेय, दिनेश श्रीवास्तव, विनोद चौधरी, भानु प्रताप सिंह, अमित सिंह के साथ ही अनेक पदाधिकारी, ठेकेदार शामिल रहे।

सुमन सिंह के प्रस्ताव पर श्री भद्रेश्वरनाथ मंदिर परिसर में होगा 19 करोड़ रूपये का विकास कार्य

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती । भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता राज्य महिला आयोग की पूर्व सदस्य सुमन सिंह के प्रस्ताव पर श्री भद्रेश्वरनाथ मंदिर के विकास हेतु पर्यटन विभाग द्वारा लगभग 19 करोड़ के विकास कार्य कराये जायेंगे। यह जानकारी देते हुये सुमन सिंह ने बताया कि उन्होने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, पर्यटन मंत्री जय वीर सिंह को श्री भद्रेश्वरनाथ मंदिर क्षेत्र के विकास के लिये प्रस्ताव दिया था। इस पर उप सचिव उत्तर प्रदेश शासन संजीव कुमार श्रीवास्तव ने जानकारी दिया है कि प्रस्ताव स्वीकृत हो गया है।

भजपा की वरिष्ठ नेता सदस्य सुमन सिंह ने बताया कि श्री भद्रेश्वरनाथ मंदिर पौराणिक मंदिर है। प्रति वर्ष लाखों की संख्या में यहां श्रद्धालु पहुंचते हैं और श्रावण मास में तो पूर्वान्चल के अनेक जनपदों के श्रद्धालुओं की आस्था

उमड़ती है। श्रद्धालुओं की बढती आस्था को देखते हुये संसाधन पर्याप्त नहीं है। इसे देखते हुये उन्होने श्री भद्रेश्वरनाथ मंदिर के विकास हेतु आग्रह किया था। इसकी स्वीकृति से निश्चित रूप से मंदिर क्षेत्र का विकास होगा और श्रद्धालुओं को अति शीघ्र सुविधा मिलेगी। उन्होने विश्वास व्यक्त किया कि अति शीघ्र निर्माण प्रक्रिया आरम्भ हो जायेगी। सुमन सिंह ने कहा कि जनपद का विकास उनकी प्राथमिकता है और उनके स्तर पर प्रयास निरन्तर जारी है। प्रस्ताव की स्वीकृति पर उन्होने मुख्यमंत्री और पर्यटन मंत्री के प्रति आभार जताया है।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 23 मई 2026 शनिवार

सम्पादकीय

पेट्रोल—डीजल का गहराता संकट

सरकार के दावों के बावजूद देश के विभिन्न हिस्सों में डीजल, पेट्रोल का संकट गहराता जा रहा है। इसका सीधा असर परिवहन, उद्योग और कृषि क्षेत्र पर पड़ रहा है। संकट का समय रहते समाधान ढूढना होगा वरना स्थितियां दयनीय होती जायेंगी।

पिछले हफ्ते, केंद्र सरकार ने चार साल के बाद पेट्रोलियम उत्पादों की खुदरा कीमतें बढ़ाई है। इसका अनुमान था, क्योंकि सरकार कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और लागत से कम वसूली के कारण तेल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) को हो रहे घाटे के बारे में चेतावनी दे रही थी। यह भी जाहिर था कि कीमतों में यह बढ़ोतरी पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजों के बाद होगी। लेकिन विदेशी मुद्रा के बढ़ते खर्च, हाल के महीनों में रुपये के तीव्र अवमूल्यन और अप्रैल के मुद्रास्फीति आंकड़ों के चलते प्रधानमंत्री द्वारा किफायत बरतने की अपील एक ज्यादा गहरी समस्या की ओर इशारा करती है जिसे भारत दशकों पहले देश के अपर्याप्त रणनीतिक पेट्रोलियम और गैस रिजर्व बनाकर हल कर सकता था। भारत ने लगभग 36.7 मिलियन से 39 मिलियन बैरल का रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व (एसपीआर) बनाया । इस कार्यक्रम की परिकल्पना साल 1991 में सामने आये जोखिम के बाद की गयी और इसे 2000 के दशक के शुरू में औपचारिक रूप दिया गया। लेकिन आज, 5.5 मिलियन बैरल प्रतिदिन (एमबीपीडी) की दर से यह लगभग सात दिनों की खपत को कवर करता है। अगर इसमें तमाम ओएमसी की मालसूची (इन्वेंट्री) और आयात कवर को भी जोड़ लें, तो यह 70 दिन से ज्यादा का स्टॉक बनता है। लेकिन बीते सालों में, अमेरिका और चीन के बाद भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा वाहन बाजार बनकर उभरा है और उन देशों के तेल उपभोग को देखें तो पता चलता है कि भारत के सामने कितना बड़ा जोखिम है।

अमेरिका ने अपना एसपीआर साल 1973 के तेल संकट के बाद बनाया जो 714 मिलियन बैरल का है और भारत के एसपीआर से 18 गुना बड़ा है। वहीं चीन का और भी बड़ा, लगभग 900 मिलियन बैरल का है। अमेरिका के पास अपने रिजर्व तंत्र में अभी लगभग 400 मिलियन बैरल तेल है, जिससे मोटा—मोटी 20 दिनों की खपत की पूर्ति की जा सकती है। बीते 10 सालों में 13 एमबीपीडी के आउटपुट के साथ यह देश दुनिया का सबसे बड़ा तेल उत्पादक बनकर उभरा है और वाणिज्यिक तंत्र के पास भी काफी इन्वेंट्री है, जो उसे अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी द्वारा अनुशंसित 90 दिन के भंडार से ऊपर ले जाते हैं। यही बात चीन पर भी लागू होती है, जो तेल के मामले में आयात—निर्भर राष्ट्र होने के कारण भारत के साथ तुलना योग्य है। ये आंकड़े और चिंताजनक हो जाते हैं जब इनकी तुलना तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के रिजर्वों के साथ की जाती है, जहां भारत सबसे ज्यादा जोखिम में है। भारत के पास लगभग 1.4 लाख टन की एलपीजी भंडारण सुविधा है, जबकि उसकी दैनिक खपत लगभग 80,000 टन है उसकी रिजर्व क्षमता की आधी से ज्यादा। एलएनजी की बात करें, तो भारत मुख्यतः पेट्रोनेट एलएनजी और बीपीसीएल की रीगैसीफिकेशन सुविधाओं पर मौजूद स्टॉक पर निर्भर करता है। उर्वरक उत्पादन के लिए बेहद अहम इस ईंधन की कोई भूमिगत भंडारण सुविधा मौजूद नहीं है। अमेरिका और चीन दोनों ने भूमिगत एलएनजी भंडारण सुविधा में भारी निवेश किया है। रूस—यूक्रेन युद्ध के बाद यूरोपीय संघ ने रूसी गैस पर अपनी निर्भरता घटाते हुए नयी स्थितियों के अनुरूप तेजी से अनुकूलन किया। इन रिजर्वों ने आपूर्ति में व्यवधान के समय, उन्नत अर्थव्यवस्थाओं को दीर्घकालिक अनुबंधों पर निर्भरता के जरिए आपूर्ति में व्यवधान के खिलाफ बाड़बंदी करने में सक्षम बनाया है। उन्हें हाजिर बाजार में ऊंची कीमतें देने से बचाया है। चीन की बात करें तो रूसी तेल के खिलाफ अमेरिकी प्रतिबंधों की नाफरमानी का उसे अच्छा फायदा हुआ है। भारत को भी फायदा हुआ होता अगर उसने ज्यादा रणनीतिक स्वायत्तता बनाये रखी होती।

हिंद महासागर में भारत की नई चाल से उठते सवाल

—अखिल कुमार यादव—

हिंद महासागर के दूरस्थ विस्तार में स्थित ग्रेट निकोबार द्वीप आज भारत की सबसे महत्वाकांक्षी विकास योजनाओं में से एक का केंद्र बन चुका है। ष्ग्रेट निकोबार प्रोजेक्टष केवल एक इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना नहीं, बल्कि भारत की आर्थिक, सामरिक और वैश्विक सोच का एक व्यापक खाका है। ऐसे समय में जब इंडो—पैसिफिक क्षेत्र वैश्विक राजनीति और व्यापार का केंद्र बनता जा रहा है, यह परियोजना भारत को नई दिशा देने की क्षमता रखती है। ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट का उद्देश्य इस द्वीप को एक अंतरराष्ट्रीय स्तर के लॉजिस्टिक्स और ट्रांसशिपमेंट हब में बदलना है। इसके तहत एक अत्याधुनिक ट्रांसशिपमेंट पोर्ट, ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल एयरपोर्ट, ऊर्जा उत्पादन केंद्र और एक आधुनिक टाउनशिप विकसित की जानी है। यह समग्र विकास मॉडल न केवल इस द्वीप की तस्वीर बदल देगा, बल्कि भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला (global supply chain) में एक प्रमुख स्थान दिलाने में मदद करेगा। इस परियोजना का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा ट्रांसशिपमेंट पोर्ट है। वर्तमान समय में भारत का अधिकांश कंटेनर ट्रैफिक विदेशी बंदरगाहोंकृजैसे सिंगापुर और कोलंबो के माध्यम से संचालित होता है। इससे लागत और समय दोनों बढ़ते हैं। यदि ग्रेट निकोबार में प्रस्तावित पोर्ट विकसित हो जाता है, तो बड़े कार्गो जहाज सीधे यहां आ सकेंगे। इससे भारत को न केवल आर्थिक लाभ होगा, बल्कि वह वैश्विक व्यापार नेटवर्क में एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में स्थापित हो सकेगा।

इस परियोजना का सामरिक महत्व और भी गहरा है। मलक्का जलडमरूमध्य के निकट स्थित होने के कारण यह क्षेत्र दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री मार्गों में गिना जाता है। यहां से एशिया, यूरोप और अफ्रीका के बीच भारी मात्रा में व्यापार होता है। ऐसे में इस क्षेत्र में मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करना भारत के लिए रणनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह न केवल समुद्री सुरक्षा को मजबूत करेगा, बल्कि भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल को भी एक सशक्त आधार प्रदान करेगा। ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट इस परियोजना का एक और अहम घटक है। यह हवाई अड्डा नागरिक और सैन्यकृदोनों उद्देश्यों के लिए उपयोगी होगा। इससे न केवल इस क्षेत्र में कनेक्टिविटी बढ़ेगी, बल्कि आपातकालीन परिस्थितियों में तेज प्रतिक्रिया भी संभव हो सकेगी। इसके साथ ही, यह पर्यटन को बढ़ावा देने में भी सहायक होगा, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिल सकती है। टाउनशिप डेवलपमेंट के तहत एक आधुनिक शहर बसाने की योजना है, जिसमें लाखों लोगों के लिए आवास, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा संस्थान और अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। यह पहल इस क्षेत्र को एक नए आर्थिक केंद्र के रूप में विकसित कर सकती है और रोजगार के हजारों अवसर पैदा कर सकती है।

हालांकि, इस परियोजना के साथ कई गंभीर चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं। सबसे बड़ी चिंता पर्यावरणीय प्रभाव को लेकर है। ग्रेट निकोबार द्वीप जैव विविधता के लिहाज से अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र है, जहां घने उष्णकटिबंधीय वन, दुर्लभ वन्यजीव और समृद्ध समुद्री पारिस्थितिकी मौजूद है। बड़े पैमाने पर निर्माण कार्यों से जंगलों की कटाई, वन्यजीवों के आवास में बाधा और समुद्री जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसके अलावा, यहां रहने वाली आदिवासी जनजातियों पर भी इस परियोजना का असर पड़ सकता है। विशेष रूप से शोम्पेन जनजाति, जो इस द्वीप की मूल निवासी है, उनके जीवन और संस्कृति पर खतरा उत्पन्न हो सकता है। उनकी पारंपरिक जीवनशैली प्रकृति के साथ गहराई से जुड़ी हुई है, और किसी भी बड़े बदलाव से उनका अस्तित्व प्रभावित हो सकता है। यह एक संवेदनशील सामाजिक मुद्दा है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पर्यावरणविदों का मानना है कि इस तरह की परियोजनाओं को लागू करने से पहले व्यापक पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (म्प्।) और पारदर्शी जनसुनवाई की आवश्यकता होती है। वहीं सरकार का तर्क है कि सभी आवश्यक मंजूरियां प्राप्त कर ली गई हैं और परियोजना को सतत विकास (नेजंपदंइसम कमअमसवचउमदज) के सिद्धांतों के तहत लागू किया जाएगा। यहां असली सवाल विकास और संरक्षण के बीच संतुलन का है। क्या हम आर्थिक प्रगति के लिए अपने प्राकृतिक संसाधनों और सांस्कृतिक विरासत को खतरे में डाल सकते हैं? या फिर हमें ऐसा मॉडल अपनाना चाहिए, जिसमें विकास के साथ—साथ पर्यावरण और स्थानीय समुदायों का संरक्षण भी सुनिश्चित हो? ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट भारत के भविष्य की दिशा तय करने वाले महत्वपूर्ण निर्णयों में से एक है। यह देश को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिला सकता है, लेकिन इसके साथ जुड़ी चुनौतियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यदि इस परियोजना को सावधानी, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ लागू किया जाता है, तो यह वास्तव में एक ष्गेम चेंजरष साबित हो सकती है।

अंततः, यह परियोजना हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि विकास का सही अर्थ क्या है। क्या विकास केवल आर्थिक वृद्धि तक सीमित है, या फिर इसमें पर्यावरणीय संतुलन और सामाजिक न्याय भी शामिल होना चाहिए? ग्रेट निकोबार का भविष्य इसी संतुलन पर निर्भर करेगा।

असहमति का नया स्वर कॉकरोच से क्रांति तक

—डॉ. प्रियंका सौरभ—

भारतीय लोकतंत्र में असहमति व्यक्त करने के तरीके समय के साथ बदलते रहे हैं। कभी स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान सत्याग्रह और धरने राजनीतिक प्रतिरोध के प्रमुख माध्यम थे, तो कभी साहित्य, रंगमंच और पत्रकारिता ने सत्ता से सवाल पूछने का कार्य किया। इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में प्रवेश करते हुए यह परिदृश्य एक बार फिर बदलता दिखाई दे रहा है। आज सोशल मीडिया, मीम्स, व्यंग्य और डिजिटल अभियानों ने राजनीतिक अभिव्यक्ति के नए मंच तैयार कर दिए हैं। युवा पीढ़ी अब केवल सभाओं, रैलियों और ज्ञापनों तक सीमित नहीं हैय वह अपने विचारों को इंटरनेट की दुनिया में नए प्रतीकों और नई भाषा के माध्यम से सामने ला रही है। मई 2026 में अचानक चर्चा में आई "कॉकरोच जनता पार्टी" इसी बदलते राजनीतिक और सामाजिक यथार्थ का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है।

पहली दृष्टि में यह एक हास्यास्पद नाम प्रतीत होता है। किसी राजनीतिक दल या आंदोलन का नाम "कॉकरोच" रखना सामान्य नहीं माना जा सकता। लेकिन राजनीति में प्रतीकों का महत्व हमेशा से रहा है। कई बार जो शब्द अपमान के लिए प्रयुक्त किए जाते हैं, वही प्रतिरोध और पहचान के प्रतीक बन जाते हैं। इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं जब समाज के किसी वर्ग ने अपने ऊपर लगाए गए नकारात्मक विशेषणों को ही अपनी शक्ति में बदल दिया। कॉकरोच जनता पार्टी का उदय भी इसी प्रवृत्ति को दर्शाता है। यह केवल एक नाम नहीं, बल्कि उस मानसिकता के विरुद्ध व्यंग्यात्मक प्रतिक्रिया है जिसे युवा अपने प्रति उपेक्षापूर्ण मानते हैं।

इस पूरे घटनाक्रम की शुरुआत एक न्यायिक टिप्पणी को लेकर उत्पन्न विवाद से हुई। सोशल मीडिया पर यह धारणा तेजी से फैली कि बेरोजगार युवाओं की तुलना कॉकरोच से की गई है। यद्यपि बाद में इस टिप्पणी के संदर्भ को लेकर स्पष्टीकरण भी सामने आए, लेकिन तब तक स्थिति बदल चुकी थी। युवाओं के एक बड़े वर्ग ने इस शब्द को अपने अपमान के प्रतीक के रूप में ग्रहण किया और फिर उसी को प्रतिरोध के प्रतीक में बदल दिया। यह वही प्रक्रिया है जिसे आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत में "रीक्लेमिंग द नैरेटिव" कहा जाता हैकृअर्थात जिस शब्द या पहचान का इस्तेमाल आपको कमजोर करने के लिए किया गया हो, उसे अपनी ताकत में बदल देना।

सोशल मीडिया के युग में किसी विचार को जनांदोलन का रूप लेने में अब महीनों या वर्षों की आवश्यकता नहीं होती। कुछ घंटे और कुछ वायरल पोस्ट ही पर्याप्त होते हैं। कॉकरोच जनता पार्टी का उदय इसी डिजिटल युग की देन है। पूर्व राजनीतिक सोशल मीडिया कार्यकर्ता अभिजीत दीपके द्वारा इसकी घोषणा किए जाने के बाद देखते ही देखते लाखों लोग इससे जुड़ने लगे। इंस्टाग्राम, एक्स और अन्य प्लेटफॉर्मों पर इसके समर्थन में बड़ी संख्या में पोस्ट, मीम्स और वीडियो साझा किए जाने लगे। यह स्पष्ट संकेत था कि यह केवल एक मजाक नहीं है, बल्कि युवाओं के भीतर मौजूद किसी गहरी बेचैनी और असंतोष की अभिव्यक्ति है।

भारत आज दुनिया की सबसे युवा आबादी वाले देशों में से एक है। यह जनसांख्यिकीय स्थिति देश के लिए अवसर भी है और चुनौती भी। अवसर इसलिए क्योंकि युवा ऊर्जा विकास की गति को तेज कर सकती है, और चुनौती इसलिए क्योंकि यदि इस ऊर्जा को सही दिशा न मिले तो असंतोष और निराशा बढ़ सकती है। पिछले कुछ वर्षों में रोजगार का प्रश्न भारतीय युवाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बनकर उभरा है। लाखों छात्र वर्षों तक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, लेकिन भर्तियों में देरी, पेपर लीक, सीमित पदों और प्रशासनिक जटिलताओं के कारण उनका भविष्य अनिश्चित बना रहता है। निजी क्षेत्र में भी रोजगार की गुणवत्ता और स्थिरता को लेकर अनेक प्रश्न मौजूद हैं। ऐसे में युवाओं के भीतर व्यवस्था के प्रति असंतोष बढ़ना स्वाभाविक है।

कॉकरोच जनता पार्टी की लोकप्रियता को इसी संदर्भ में समझना होगा। यह आंदोलन केवल एक टिप्पणी की प्रतिक्रिया नहीं है। यह उस व्यापक मनोदशा का परिणाम है जो लंबे समय से बन रही थी। बेरोजगारी, महंगाई, बढ़ती प्रतिस्पर्धा, मानसिक तनाव, सामाजिक अपेक्षाएँ और भविष्य की अनिश्चितताकृइन सभी कारकों ने युवाओं के भीतर एक ऐसी बेचैनी पैदा की है जिसे पारंपरिक राजनीति पर्याप्त रूप से संबोधित नहीं कर सकी। इसलिए जब उन्हें एक ऐसा मंच मिला जहाँ वे व्यंग्य और हास्य के माध्यम से अपनी बात कह सकते थे, तो उन्होंने उसे हाथोंहाथ स्वीकार कर लिया।

इस आंदोलन की सबसे दिलचस्प विशेषता इसका व्यंग्यात्मक स्वर है। इसकी टैगलाइन "टवपबम वि जीम र्स्ल दक न्दमउचसवलमक" अर्थात "आलसी और बेरोजगारों की आवाज" सुनने में हास्यास्पद लग सकती है, लेकिन इसके भीतर गहरा राजनीतिक संदेश छिपा है। यह उस सोच पर सीधा प्रहार करती है जिसमें बेरोजगारी को अक्सर व्यक्ति की असफलता या आलस्य का परिणाम मान लिया जाता है। वास्तविकता यह है कि रोजगार का प्रश्न केवल व्यक्तिगत प्रयास का नहीं, बल्कि आर्थिक नीतियों, शिक्षा व्यवस्था, औद्योगिक विकास और प्रशासनिक दक्षता से भी जुड़ा हुआ है। जब लाखों योग्य युवा नौकरी पाने के लिए संघर्ष कर रहे हों, तब पूरी समस्या का दोष केवल उन पर डाल देना उचित नहीं कहा जा सकता।

कॉकरोच जनता पार्टी द्वारा जारी घोषणापत्र भी इस आंदोलन की गंभीरता को रेखांकित करता है। पहली मांग रोजगार और बेरोजगारी से संबंधित है, जो दर्शाती है कि यह मुद्दा युवाओं की प्राथमिक चिंता है। दूसरी मांग "आलस्य के अधिकार" जैसी व्यंग्यात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से आधुनिक जीवन की प्रतिस्पर्धात्मक संस्कृति पर सवाल उठाती है। आज का युवा लगातार प्रदर्शन, सफलता और उपलब्धि के दबाव में जी रहा है। सोशल मीडिया ने इस दबाव को और बढ़ा दिया है, जहाँ हर व्यक्ति स्वयं की तुलना दूसरों से करता रहता है। ऐसे माहौल में यह मांग वास्तव में मानसिक स्वास्थ्य, जीवन की गुणवत्ता और मानवीय गरिमा के प्रश्न को सामने लाती है।

घोषणापत्र की तीसरी मांग राजनीति में महिलाओं के अधिक प्रतिनिधित्व की बात करती है। यह महत्वपूर्ण है कि एक व्यंग्यात्मक आंदोलन भी लैंगिक समानता जैसे गंभीर विषय को अपने एजेंडे में स्थान देता है। चौथी मांग मीडिया की जवाबदेही से जुड़ी है। आज मीडिया की भूमिका को लेकर समाज में व्यापक बहस चल रही है। एक बड़ा वर्ग मानता है कि मीडिया का एक हिस्सा जनसरोकारों की अपेक्षा राजनीतिक और कॉर्पोरेट हितों को अधिक महत्व देता है। युवाओं के बीच यह भावना और अधिक प्रबल है क्योंकि वे अपनी समस्याओं को मुख्यधारा के विमर्श में पर्याप्त स्थान नहीं पाते। पाँचवीं मांग दलबदल की राजनीति पर रोक लगाने से संबंधित है, जो भारतीय लोकतंत्र की एक पुरानी समस्या रही है। इस प्रकार यह स्पष्ट है कि व्यंग्य के आवरण में प्रस्तुत यह घोषणापत्र वास्तव में गंभीर राजनीतिक प्रश्नों को सामने लाता है। इस आंदोलन का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि यह राजनीति की भाषा को बदलता है। पारंपरिक राजनीति अक्सर गंभीर भाषणों, जटिल घोषणापत्रों और औपचारिक संवाद पर आधारित होती है। इसके विपरीत डिजिटल राजनीति मीम्स, छोटे वीडियो, व्यंग्यात्मक पोस्ट और वायरल अभियानों पर आधारित है। आज का युवा लंबी राजनीतिक बहसों की अपेक्षा संक्षिप्त, तीखी और प्रभावशाली अभिव्यक्ति को अधिक पसंद करता है। यही कारण है कि कॉकरोच जनता पार्टी जैसे अभियान इतनी तेजी से लोकप्रिय हो जाते हैं। वे उस भाषा में बात करते हैं जिसे नई पीढ़ी समझती और अपनाती है।

हालाँकि इस लोकप्रियता को लेकर कुछ सावधानियाँ भी आवश्यक हैं। सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में फॉलोअर्स होना हमेशा वास्तविक राजनीतिक समर्थन का प्रमाण नहीं होता। इंटरनेट की दुनिया में कई अभियान तेजी से उभरते हैं और उतनी ही तेजी से गायब भी हो जाते हैं। इसलिए यह कहना जल्दबाजी होगी कि कॉकरोच जनता पार्टी भविष्य में एक बड़ी राजनीतिक शक्ति बन जाएगी। लेकिन यह भी सच है कि किसी आंदोलन का महत्व केवल उसके चुनावी भविष्य से नहीं आँका जा सकता। कई बार आंदोलन समाज के भीतर छिपी भावनाओं और समस्याओं को उजागर करने का कार्य करते हैं। इस दृष्टि से देखें तो कॉकरोच जनता पार्टी पहले ही अपनी भूमिका निभा चुकी है।

यह आंदोलन पारंपरिक राजनीतिक दलों के लिए भी एक संदेश है। यह बताता है कि युवा अब केवल चुनावी वादों से संतुष्ट नहीं हैं। वे रोजगार, शिक्षा, पारदर्शिता और जवाबदेही जैसे मुद्दों पर ठोस परिणाम चाहते हैं। यदि मुख्यधारा की राजनीति इन अपेक्षाओं को पूरा करने में असफल रहती है, तो युवा नए माध्यमों और नए प्रतीकों के जरिए अपनी आवाज उठाते रहेंगे। डिजिटल युग में सूचना और संचार के साधनों ने नागरिकों को पहले से कहीं अधिक शक्तिशाली बना दिया है। अब कोई भी विचार, चाहे वह कितना ही छोटा क्यों न हो, लाखों लोगों तक पहुँच सकता है। व्यंग्य की शक्ति को भी कम करके नहीं आँकना चाहिए।

वैश्विक शक्ति की धुरी बनता चीन

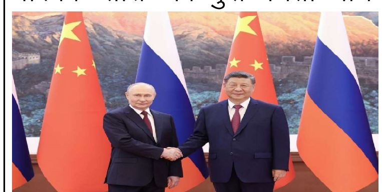

—पुष्परंजन—

यह पहली बार होगा, जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अन्य चार स्थायी सदस्यों के नेताओं ने, महज छह महीने के भीतर चीन का दौरा किया होगा। फरांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने 3 से 5 दिसंबर, 2025 तक चीन की तीन दिवसीय राजकीय यात्रा की थी, जिसके बाद जनवरी में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर वहां पहुंचे थे।

चीन ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की 25वीं यात्रा के लिए 'रेड कार्पेट' बिछाया है। यह राष्ट्राध्यक्षों के बीच कूटनीति की उस आवृत्ति को रेखांकित करता है, जो अमेरिका के साथ उसके संबंधों से कहीं ज्यादा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की यात्रा के कुछ ही दिनों बाद इस यात्रा का मुख्य मकसद कुछ जोखिमों को संभालना था। इस मुलाकात में दोनों नेताओं ने कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए, और आपसी सहयोग को और गहरा करने का संकल्प लिया। ट्रंप के बाद पुतिन का आना अंतर्राष्ट्रीय राजनय के नुक्ते—नजर से चीन की दो बड़ी ताकतों के साथ संबंधों को संभालने की क्षमता को उजागर किया है। क्या पुतिन और ट्रंप की यात्राएं चीन के साथ 'त्रिपक्षीय समन्वय' का रास्ता खोल सकती हैं? लेकिन सवाल है, भारत ऐसी गठजोड़ से क्यों दूर होता चला गया है?

पिछले हफ्ते, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीन पहुंचे थे। उनका मकसद वैसी ही जबरदस्त व्यापारिक डील्स पक्की करना था, जिनकी वकालत उन्होंने नौ साल पहले की थीकृइन डील्स में सोयाबीन से लेकर विमान और ऊर्जा तक, सब कुछ शामिल था। पुतिन भी चीन में एक 'गंभीर' किस्म की नई ऊर्जा डील के लिए जोर लगा रहे हैं। बुधवार को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के शिखर सम्मेलन के बाद जारी एक संयुक्त बयान में, दोनों देशों ने अमेरिका पर आरोप लगाया, कि वह अपनी 'गोल्डन डोम' परियोजना के जरिए 'रणनीतिक स्थिरता के लिए एक स्पष्ट खतरा' पैदा कर रहा है। 'गोल्डन डोम' अमेरिका की एक महत्वाकांक्षी और बहु—स्तरीय मिसाइल रक्षा प्रणाली है, जिसे अमेरिकी क्षेत्र को बैलिस्टिक, हाइपरसोनिक और क्रूज मिसाइलों से बचाने के लिए डिजाइन किया गया है।

इन सालों में, उनके आपसी तालमेल की पहचान सिर्फ शिखर सम्मेलनों और राजकीय दौरों से ही नहीं, बल्कि खाने—पीने, जन्मदिन मनाने, खेल आयोजनों, नाव की सवारी और झील के किनारे चाय पीने जैसे बेहद निजी रिवाजों की बढ़ती हुई सूची से भी बनी है। बड़ी सावधानी से बनाई गई दोस्ती मंगल और बुध को फिर से सुर्खियों में आई। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब भू—राजनीतिक अनिश्चितता बढ़ती जा रही है। पेइचिंग, मॉस्को और वॉशिंगटन के बीच रिश्ते और भी ज्यादा पेचीदा होते जा रहे हैं, जबकि ईरान के साथ अमेरिका—इस्राइल युद्ध को खत्म करने की बातचीत अभी भी रुकी हुई है, और यूक्रेन में रूस का संघर्ष लंबा खिंचता जा रहा है।

शी और पुतिन के बीच यह प्रगाढ़ सम्बन्ध रातों—रात नहीं बने। इस भरोसे को जीतने में काफी वक्त लगा है। 2013 में आधिकारिक तौर पर पद संभालने के बाद से, शी पुतिन से 40 से ज्यादा बार मिल चुके हैं, जो पश्चिमी नेताओं के साथ उनकी मुलाकघतों से कहीं ज्यादा है। जब अक्तूबर, 2013 को बाली में एशिया—पैसिफिक इकोनॉमिक कोऑपरेशन शिखर सम्मेलन पुतिन के 61वें जन्मदिन के साथ पड़ा, तो शी ने उन्हें एक केक दिया, दोनों नेताओं ने सॉसेज और वोडका के साथ मिलकर जश्न मनाया। जून, 2018 में चीन की पुतिन की राजकीय यात्रा की एक खास बात यह थी कि रूसी नेता ने थियानचिन के मशहूर 'चियान पिंग कुओजी' (तले हुए आटे की डंडियों में लिपटे पैनकेक) बनाने में अपना हाथ आजमाया, जिसे उन्होंने एक दावत के दौरान अपने मेजबान को परोसा।

लगभग तीन महीने बाद, सितंबर 2018 में, दोनों नेताओं ने एक बार फिर अपने खाना पकाने के हुनर का प्रदर्शन कियादृ इस बार रूस में। उन्होंने कुछ पारंपरिक रूसी पैनकेक बनाए, जिन्हें 'ब्लिनी' कहा जाता हैय उन्होंने इन पैनकेक के ऊपर 'कैवियार' (मछली के अंडे) डाले और साथ में 'वोदका शॉट्स' का भी आनंद लिया। पुतिन पर जिस पैमाने पर अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंध लगे हैं, वह अलग—थलग पड़ गए दिखते हैं, और उन पर पश्चिमी देशों द्वारा युद्ध अपराधों के आरोप लगाए जा रहे हैं। यह पहली बार ऐसा भी होगा, जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अन्य चार स्थायी सदस्यों के नेताओं ने, महज छह महीने के भीतर चीन का दौरा किया होगा।

युद्ध का असर यूपी के विकास पर नहीं पड़ने देंगे, सीएम योगी की देवरिया को 655 करोड़ की सौगात

संवाददाता–देवरिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को देवरिया के भीमपुर में आयोजित सभा में अमेरिका– ईरान युद्ध का जिक्र करते हुए कहा कि पश्चिम एशिया में पैदा हुए संकट के चलते विटूमिन (तारकोल) को लेकर दिक्कत आ रही है, लेकिन हमने यह संकल्प लिया है कि किसी भी कीमत पर प्रदेश का विकास रूकने नहीं देंगे। अधिकारियों को इंटरलाकिंग और सीसी मार्ग के निर्माण का निर्देश दिया है। इससे थोड़ी लागत तो बढ़ेगी, लेकिन एक बार सड़क बनने पर पचास साल तक मरम्मत की जरूरत नहीं पड़ेगी। सीएम ने भीमपुर में 655 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण, शिलान्यास करने के बाद सभा को संबोधित किया। करीब 28 मिनट के भाषण में मुख्यमंत्री ने केन्द्र व प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं का जिक्र भी किया और प्रदेश में रही सपा की सरकार के समय की अराजकता, गुंडई की याद दिलायी।

उन्होंने कहा कि इस समय तेल व रसोई गैस को लेकर दिक्कत आयी है। इसको देखते हुए इंटरलाकिंग व सीसी सड़कों को बनाने का निर्देश दिया है। इससे लागत बढ़ेगी, लेकिन यह सड़कें लंबे समय तक चलेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के पहले कोई यह सोच नहीं सकता था कि देवरिया में मेडिकल कॉलेज बनेगा। प्रदेश में बहू, बेटियों को शाम को 6 बजे के बाद घर से बाहर नहीं निकल पाती थी। व्यापारी अपनी दुकानें बंद कर देते थे। योजनाओं का लाभ गरीबों व पात्र लोगों को नहीं मिल पाता था तथा चेहरा देखकर योजनाओं का लाभ दिया जाता था और लोग अपने परिवार का पेट भरते थे। पर 2017 में भाजपा की सरकार बनने के बाद सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास के विजन को केन्द्र में रखकर कार्य शुरू किया। सरकार ने विकास को गति प्रदान की।

मुख्यमंत्री फोरलेन, सिक्स लेन का जिक्र करते हुए कहा कि इन सड़कों के निर्माण से गति बढ़ी है। गति बढ़ने से विकास तेज हुआ है। नौजवानों को रोजगार के अवसर मिले हैं। महिलाएं स्वालम्बन की ओर बढ़ी हैं तथा अन्नदाता किसान को उसके उत्पादन का उचित मूल्य मिलना शुरू हुआ है। विभिन्न जिलों में मेडिकल कॉलेज बनने से लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिली हैं। आज लोग उत्तर प्रदेश को सम्मान की दृष्टि से देख रहे हैं। यूपी के बाहर जाने पर लोग यूपी के लोगों से आज लोग गले मिल रहे हैं। जिन प्रदेशों के लोगों को हिन्दी नहीं आती है, वहां के लोग हम लोगों को जय श्रीराम से अभिवादन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सब सुरक्षा, सुशासन, विकास व विरासत के अभिनव प्रयास की देन हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी व कांग्रेस को राम के नाम से परहेज था। इसलिए अयोध्या में लोगों पर गोलियां चलायी गयी। आज उसी अयोध्या में भगवान राम को दुनिया का सबसे बड़ा मंदिर बन गया है। प्रयागराज, नैमिष्यारण, विन्ध्याचल, वाराणसी सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जब देश व प्रदेश में अच्छी सरकार होती है तो अच्छा कार्य करती है। आज विरासत व विकास यूपी की पहचान बन गया है।

मुख्यमंत्री ने सपा सरकार का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय प्रदेश की पहचान वन जिला, वन माफिया की थी। जमीनों पर कब्जा आम बात थी। विकास के नाम पर लूट मचा रखी थी। जनता का शोषण हो रहा था, लेकिन भाजपा की सरकार बनने के बाद माफिया मिट्टी में मिल गए। योजनाओं का लाभ लोगों को मिल रहा है और प्रदेश की पहचान अब वन जिला, वन मेडिकल कॉलेज, वन प्रोडक्ट बन गयी है।

हाईवे पर दो ट्रकों की भिड़ंत, क्लीनर की मौत, चालकों समेत कई घायल, तेल लूटने बाल्टी लेकर पहुंचे लोग

संवाददाता–बहराइच। नानपारा–लखीमपुर हाईवे पर शुक्रवार को दो ट्रकों की आमने–सामने की टक्कर हो गई। टक्कर के बाद गाड़ी में लदा तेल सड़क पर फैल गया। हाईवे फिसलन भरी पट्टी में तब्दील हो गया। हादसे में एक ट्रक के क्लीनर की केबिन में दबकर मौत हो गई। जबकि, कई बाइक सवार तेल की फिसलन में फिसलकर गिरने से घायल हो गए। घटना के बाद हाईवे पर घंटों यातायात प्रभावित रहा। बताया गया कि बिहार के रक्सौल से हापुड़ जा रहा ट्रक शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे रायबोझा पुलिया के पास अचानक अनियंत्रित हो गया। वह सामने से बिहार की ओर गिट्टी लेकर जा रहे ट्रक से जा भिड़ा। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों ट्रकों के अगले हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे के समय एक ट्रक में मौजूद क्लीनर सुहेद (28) केबिन में फंस गया। आसपास मौजूद लोग उसकी चीख सुनकर दौड़े। लेकिन, जब तक उसे बाहर निकाला जा सका, उसकी मौत हो चुकी थी। हादसे में दोनों ट्रकों के चालक घायल हो गए। उन्हें सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

सूचना पर सीओ प्रद्युम्न सिंह और मोतीपुर थानाध्यक्ष आनंद चौरसिया पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद केबिन काटकर क्लीनर का शव बाहर निकाला गया। इस दौरान हाईवे पर लोगों की भारी भीड़ जमा रही। हादसे के बाद स्थिति तब और बिगड़ गई, जब ट्रक में लदे कड़वा तेल से भरे पीपे क्षतिग्रस्त हो गए। इससे तेल सड़क पर फैल गया। हाईवे पर फिसलन से वहां से गुजर रहे कई बाइक सवार गिरकर घायल हो गए। कड़वा तेल बहने की खबर फैलते ही आसपास के ग्रामीण डिब्बे, बाल्टियां और कैन लेकर मौके पर पहुंच गए। लोग सड़क पर फैले तेल को भरने में जुट गए। इससे कुछ देर के लिए हालात और बिगड़ गए। पुलिस ने लोगों को हटाकर स्थिति नियंत्रित की।

मौके पर फायर ब्रिगेड की टीम बुलाकर पानी से सड़क धुलवाई गई। ताकि, फिसलन कम हो सके। वहीं क्रेन की मदद से दुर्घटनाग्रस्त ट्रकों को सड़क से हटाया गया। तीन घंटे की मशक्कत के बाद हाईवे पर यातायात बहाल हो सका।

करंट से राजगीर मिस्त्री की मौत, मजदूर की हालत गंभीर, विरोध में प्रदर्शन

संवाददाता–कुशीनगर। कसया थाना क्षेत्र के गांव अहिरौली राजा में शुक्रवार को मकान निर्माण कार्य के दौरान छड़ सीधा करते समय बिजली के तार में छड़ सट जाने के कारण करंट की चपेट में आने से राजगीर मिस्त्री के साथ एक मजदूर भी झुलस गया। इसमें राजगीर मिस्त्री की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई, जबकि मजदूर की हालत गंभीर बनी हुई है। दूसरी ओर घटना से आक्रोशित लोगों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन कर कार्रवाई की मांग की। अहिरौली राजा निवासी सुनील मद्धेशिया के मकान का निर्माण कार्य चल रहा है। निर्माण कार्य में लगे राजगीर मिस्त्री श्याम लाल निवासी ग्राम पतई शुक्रवार को छड़ सीधा कर रहे थे।

उसी समय छड़ 11 हजार वोल्टेज के बिजली तार में सट गया। इससे श्यामलाल और साथ में कार्य कर रहे मजदूर अहिरौली राजा निवासी नगीना दोनों बुरी तरह झुलस गए। इसके बाद आनन फानन में ग्रामीणों ने एंबुलेंस बुला कर दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कसया भेजवाया, जहां डाक्टरों ने श्यामलाल (54) को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से झुलसे मजदूर नगीना का इलाज जारी है। राजगीर मिस्त्री श्यामलाल के मौत की खबर सुनते ही ग्रामीणों ने बिजली विभाग के खिलाफ प्रदर्शन कर रोष व्यक्त किया। लोगों का आरोप है कि अगर बिजली का तार इतने नीचे नहीं होता तो ऐसी घटना नहीं होती। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने चेताया कि कई बार विभाग को पत्र लिखकर कर तार सही कराने की मांग की गयी लेकिन जिम्मेदारों के कानों में जू तक नहीं रेंगा और इतनी बड़ी घटना घटित हो गयी। घटना की जानकारी होने पर मौके पर पहुंचे कसया थानाध्यक्ष आशुतोष सिंह ने मौके पर पहुंच कर लोगों शांत कराते हुए कार्रवाई का आश्वासन दिया।

भाजयुमो जिलाध्यक्ष ने बिजली अव्यवस्था पर जताई नाराजगी, कहा– जनता परेशान, सुन नहीं रहे लाइनमैन

संवाददाता–श्रावस्ती। गिलौला क्षेत्र में खराब विद्युत व्यवस्था को लेकर भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के जिलाध्यक्ष हरिओम तिवारी ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने बीती रात गिलौला पावर हाउस पहुंचकर बिजली विभाग एसडीओ प्रबेंद्र कुमार से मुलाकात की।

हरिओम तिवारी ने क्षेत्र में लगातार बिजली कटौती, जली हुई केबिलों और खराब ट्रांसफार्मरों पर गहरी नाराजगी जताई और व्यवस्था को तुरंत सुधारने की मांग की। हरिओम तिवारी ने कहा कि भीषण गर्मी के कारण आम जनता गंभीर बिजली संकट का सामना कर रही है। उन्होंने बताया कि केबिल जलने और ट्रांसफार्मर खराब होने जैसी समस्याएं आम हो गई हैं, लेकिन विभागीय लापरवाही के चलते इनका समय पर समाधान नहीं हो पा रहा है। उन्होंने सवाल किया कि जनता कब तक इस अव्यवस्था से जूझती रहेगी।

जिलाध्यक्ष हरिओम तिवारी ने जनपद के अन्य विद्युत विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों से फोन पर बात कर तत्काल सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनता की समस्याओं के प्रति किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हरिओम तिवारी ने यह भी बताया कि उन्होंने इससे पहले ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा से मिलकर श्रावस्ती की जर्जर विद्युत व्यवस्था के स्थायी समाधान के लिए पत्र सौंपा था, लेकिन अभी तक कोई अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है।

हरिओम तिवारी ने जनहित को सर्वोपरि बताते हुए नई विद्युत केबिल बिछाने, जले हुए ट्रांसफार्मरों को तुरंत बदलने और बिजली आपूर्ति की क्षमता बढ़ाने की मांग की। उनका उद्देश्य था कि भीषण गर्मी में क्षेत्रवासियों को निर्बाध बिजली मिल सके। उन्होंने एसडीओ से कहा कि एक वर्ष से अधिक समय से समस्याएं बनी हुई हैं, लाइनमैन फोन नहीं उठाते और स्टाफ की कमी का बहाना बनाया जाता है। उन्होंने स्टाफ कम होने पर लाइनमैनों की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया। एसडीओ गिलौला ने जिलाध्यक्ष हरिओम तिवारी को जल्द ही बिजली संबंधी समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया।

गर्भवती महिला की संदिग्ध मौत, मायके पक्ष ने पति पर प्रताड़ना और दूसरी महिला से संबंध का आरोप लगाया

संवाददाता–श्रावस्ती। जनपद के सिरसिया थाना क्षेत्र के बड़का धर्मांतपुर गांव में एक 21 वर्षीय गर्भवती विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका की पहचान राम कुमार की पत्नी सुधा देवी के रूप में हुई है, जो करीब चार माह की गर्भवती थीं। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। सुधा देवी की शादी 4 जुलाई 2025 को हुई थी। उनके पिता जवाहिर निषाद और माता फूला देवी एलहवा गोडियन पुरवा भंगहा के निवासी हैं।आरोप है कि शादी के बाद से ही पति–पत्नी के बीच विवाद चल रहा था, जिसके संबंध में पहले भी महिला थाना भिनगा में सुलह–समझौता कराया गया था। मृतका की मां फूला देवी ने बताया कि घटना वाले दिन सुबह सुधा देवी ने अपने बड़े भाई से फोन पर बात की थी। कुछ समय बाद ससुराल पक्ष से सूचना मिली कि सुधा देवी की मौत हो गई है।उस समय मृतका का भाई बाहर काम पर था, जिसने तत्काल पीआरबी 112 पर सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना सिरसिया पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।वहीं, फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य संकलन किया। मृतका की मां का आरोप है कि सुधा देवी ने फांसी नहीं लगाई, बल्कि उनके साथ कोई अनहोनी हुई है। उन्होंने यह भी बताया कि शादी को अभी एक साल भी पूरा नहीं हुआ था और पति बाहर रहकर काम करता था,लेकिन पत्नी को घर खर्च भी नहीं देता था। मृतका के पिता जवाहिर निषाद ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनके दामाद का दूसरी महिला से संबंध था।इसी बात को लेकर वह सुधा के साथ मारपीट करता था।पिता ने बताया कि शादी से पहले भी दामाद दूसरी महिला को लेकर चला गया था और करीब छह माह बाद लौटा था।उनका कहना है कि शादी के बाद से ही उनकी बेटी को लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था।

जिला समन्वयक ने विशेश्वरगंज, पयागपुर में व्यवस्थाओं का जायजा लिया

संवाददाता–बहराइच। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार सिंह के निर्देश पर जिला समन्वयक समेकित शिक्षा लाल जी दुबे ने होम बेस्ड एजुकेशन कार्यक्रम का निरीक्षण किया। यह निरीक्षण विकासखंड विशेश्वरगंज और पयागपुर में किया गया। निरीक्षण के दौरान, गंभीर दिव्यांग बच्चों को स्पेशल एजुकेटर द्वारा दिए जा रहे गृह आधारित शैक्षिक सहयोग की स्थिति का जायजा लिया गया। संबंधित संकुल क्षेत्र के स्पेशल एजुकेटर होम बेस्ड एजुकेशन सामग्री के साथ दिव्यांग बच्चों के घरों पर मौजूद पाए गए।

अभिभावकों से बातचीत में पता चला कि सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई शैक्षिक सामग्री और स्पेशल एजुकेटर का सहयोग बच्चों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रहा है। समग्र शिक्षा के तहत संचालित गतिविधियां दिव्यांग बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में सहायक हैं।

इस दौरान, पयागपुर विकासखंड के मजरा भूपगंज निवासी विभा गुप्ता (पुत्री योगेंद्र कुमार) और नैतिक (पुत्र स्वामीनाथ) के घर का दौरा किया गया। इसी तरह, विशेश्वरगंज विकासखंड के युवराज (पुत्र सुनील कुमार) के घर पहुंचकर शैक्षिक व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया।

जिला समन्वयक ने बताया कि जनपद के सभी विकासखंडों में कार्यरत स्पेशल एजुकेटरों ने होम बेस्ड एजुकेशन के लिए 5–5 गंभीर दिव्यांग बच्चों का चयन किया है। इसका उद्देश्य ऐसे बच्चों को घर पर ही बेहतर शैक्षिक सहायता उपलब्ध कराना है।

4 महीने के बच्चे की मौत, अंतिम संस्कार से रोका, पत्नी को पीटकर घर से निकाला, तीन तलाक की धमकी, कार्रवाई की मांग

संवाददाता–गोण्डा। जिले में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक महिला को अपने चार माह के मृत बच्चे का अंतिम संस्कार करने से रोक दिया गया। आरोप है कि पति और ससुरालियों ने महिला के साथ मारपीट की और उसे घर से निकाल दिया। यह घटना शुक्रवार शाम को हुई।

नगर कोतवाली क्षेत्र के कलकत्ता वाले बाबा मेवतियान गिर्द गोंडा की रहने वाली जोया खातून के चार माह के बेटे की शुक्रवार शाम 4रू30 बजे इलाज के दौरान मौत हो गई थी। जब जोया अपने मृत बच्चे का अंतिम संस्कार करने के लिए ससुराल पहुंचीं, तो पति मोहम्मद यूनुस, देवर मोहम्मद इस्लाम, सास समीमा और देवरानी नगमा ने कथित तौर पर उनके साथ मारपीट की। उन्हें भिखारी कहकर घर से भगा दिया गया और बच्चे का अंतिम संस्कार नहीं करने दिया गया। इस घटना के बाद जोया खातून अपने मृत बच्चे के अंतिम संस्कार के लिए दर–दर भटकने को मजबूर हो गईं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि ससुरालियों ने उनके साथ मारपीट करने के अलावा उन्हें तीन तलाक देने की धमकी भी दी। परेशान होकर जोया खातून नगर कोतवाली की पांडेय बाजार चौकी पहुंचीं और अपने पति व ससुरालियों के खिलाफ तहरीर दी। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनके पति मोहम्मद यूनुस, देवर मोहम्मद इस्लाम, सास समीमा और देवरानी नगमा लालची प्रवृत्ति के हैं। शादी के कुछ समय बाद से ही वे उनसे 5 लाख रुपये दहेज की मांग कर रहे थे। जोया के अनुसार, उनके पिता नहीं हैं और दहेज न दे पाने के कारण उन्हें लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था और तलाक की धमकी दी जा रही थी। उनका चार माह का बच्चा बीमार था, जिसकी हालत बिगड़ने पर उसे अवध अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई। नगर कोतवाली के बिंदेश्वरी मणि त्रिपाठी ने बताया कि उन्हें शिकायती पत्र मिल गया है। पांडेय बाजार चौकी इंचार्ज को पूरे मामले की जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि जांच के बाद दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। नगर कोतवाली पुलिस पूरे प्रकरण की गंभीरता से जांच कर रही है।

आम तोड़ने गए किशोर की करंट की चपेट में आने से मौत

संवाददाता–महराजगंज। निचलौल थाना क्षेत्र के ग्राम बंदी विशुनपुरा में शुक्रवार की दोपहर में आम तोड़ने गए किशोर की करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। किशोर की मौत के बाद परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया है।

ग्राम बंदी विशुनपुरा निवासी रामकरन चौहान का पुत्र रघुबीर (13) दोपहर में गांव के बाहर एक बाग में आम तोड़ने गया था। इसी आम की डाली से स्पर्श करते हुए 11000 वोल्ट करंट की बिजली आपूर्ति की केबल गुजरी है। आम तोड़ते समय वह केबल के संपर्क में आ गया और करंट की चपेट में आने से अचेत होकर केबल पर लटक गया। इसकी सूचना पर पहुंचे एसओ अंकित सिंह ने बिजली आपूर्ति बंद कराकर उसे उतरवाया। आनन –फानन में उसे निचलौल सीएचसी पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वह दो भाइयों के बड़ा था। उसका पिता रामकरन राजगीर मिस्त्री का कार्य करता है। उसकी मौत से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव का पंचनामा करवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एसओ अंकित सिंह ने बताया कि करंट की चपेट में आने से किशोर की मौत हुई है। शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कराने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। घटना की जांच पड़ताल की जा रही है।

पेड़ पर लटकता मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

संवाददाता–देवरिया। थाना क्षेत्र के एक गांव के युवक का शव गांव से पांच सौ मीटर दूर पेड़ से लटकता मिला। युवक का शव देख लोगों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। शोर सुन मौके पर लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई।उधर सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए देवरिया भेज दिया। लार थाना क्षेत्र के चोरडीहा गांव निवासी हिमांशु कुमार (25) पुत्र गोरख प्रसाद हैदराबाद में प्राइवेट नौकरी करता था। अपने बुआ की लड़की की शादी में शामिल होने के लिए इसी महीने घर आया था। बुआ की लड़की की शादी 14 मई को थी। वह हैदराबाद जाने वाला था कि शुक्रवार की सुबह गांव से बाहर घर से लगभग पांच सौ मीटर दूर बगीचे में पेड़ से लटकता हुआ शव मिला। किसी ने सूचना घर वालों को दिया। घर वालों ने सूचना पुलिस को दिया। परिजन युवक का हत्या कर शव को पेड़ से लटकाने का आरोप लगा रहे हैं। परिजनों के अनुसार गुरुवार की रात लगभग 11 बजे के आसपास किसी का मोबाइल पर फोन आया। फोन पर बात करते हुए हिमांशु घर से बाहर निकाला और बात करते हुए घर से दक्षिण दिशा में चला गया। सुबह देर तक वापस नहीं आने पर परिजन युवक की तलाश कर ही रहे थे कि लगभग 5 बजे टहलने निकले लोगों ने युवक के शव को पेड़ से लटकता देख शोर मचाना शुरू किया। शोर–सुन मौके पर लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। मौके पर जुटे लोगों ने युवक की पहचान हिमांशु कुमार पुत्र गोरख प्रसाद निवासी चोरडीहा के रूप में किया। एसएसआई विंध्याचल शुक्ला ने बताया कि एक युवक का शव पेड़ से लटकता मिला है। युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। दो भाइयों में छोटा था हिमांशु। हिमांशु का बड़ा भाई अंकित कुमार बाहर प्राइवेट नौकरी करता है। हिमांशु की दो बहन चंद्रावती और गुड्डी हैं। हिमांशु की मौत की सूचना घर पहुंचते पिता गोरख प्रसाद, माता आशा देवी, बहन चंद्रावती व गुड्डी का रो–रो कर बुरा हाल है।

पेट्रोल–डीजल की किल्लत बरकरार, ऑटो रिक्शा चालकों ने डेढ़ गुना बढ़ाया किराया, हाइवे किनारे भी पंप सूखे

संवाददाता–महराजगंज। पेट्रोल–डीजल को लेकर एक बार फिर अफरा–तफरी का माहौल देखने को मिला। कुशीनगर, सोनभद्र, महराजगंज, गोरखपुर, देवरिया और बस्ती के कई पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लगी रहीं। कई जगहों पर पेट्रोल और डीजल खत्म होने की भी खबरें सामने आईं। हालांकि, तेल कंपनियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने साफ कहा है कि ईंधन की कोई कमी नहीं है। लोग अफवाह पर ध्यान न दें।

महराजगंज में पेट्रोल और डीजल की किल्लत लगातार चौथे दिन भी बनी रही। शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक कई पेट्रोल पंपों पर या तो सीमित मात्रा में ईंधन दिया जा रहा है या फिर स्टॉक पूरी तरह खत्म हो चुका है। भीषण गर्मी के बीच घंटों लाइन में लगने के बाद भी कई लोग बिना तेल लिए वापस लौटने को मजबूर हैं।

सबसे ज्यादा परेशानी डीजल को लेकर देखी जा रही है। खरीफ सीजन और धान की नर्सरी तैयार करने के चलते किसानों की मांग बढ़ गई है। ट्रैक्टर और पंपिंग सेट चलाने के लिए किसान गैलन और ड्रम लेकर पेट्रोल पंपों पर पहुंच रहे हैं। ईंधन संकट और बढ़ती कीमतों का असर अब सार्वजनिक परिवहन पर भी दिखने लगा है। ऑटो चालक राजू ने बताया कि डीजल–पेट्रोल महंगा होने से उन्हें किराया बढ़ाना पड़ा है। पहले 10

रुपये में सवारी बैठा लेते थे, लेकिन अब कम दूरी पर भी 15 रुपये ले रहे हैं।" पेट्रोलदृडीजल की लाइन में घंटों लगने के कारण कमाई पर भी सीधा असर पड़ रहा है।

शहर के निचलौल रोड स्थित पेट्रोल पंप पर डीजल लेने पहुंचे आनंद कुमार ने बताया कि उन्हें अपने बाबूजी को इलाज के लिए लखनऊ ले जाना था। वह कई घंटे तक लाइन में लगे रहे।

चेहरी स्थित पेट्रोल पंप पर पेट्रोल खत्म होने के बाद 'पेट्रोल नहीं है' का बोर्ड लगा दिया गया। वहीं फरेंदा–लेहड़ा मंदिर रोड स्थित एक पंप पर दोपहर बाद पेट्रोल खत्म हो गया, जिससे वाहन चालकों को दूसरे पंपों की तलाश में भटकना पड़ा। शहर के अलावा हाईवे किनारे स्थित कई पेट्रोल पंप भी सूखे नजर आए। कुछ पंपों को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा, जिससे लंबी दूरी तय करने वाले वाहन चालकों को परेशानी उठानी पड़ी। भीषण गर्मी के कारण लंबे समय तक कतार में खड़ा रहना लोगों के लिए मुश्किल हो रहा है। कई लोग लाइन में लगने के बाद भी बिना तेल लिए वापस लौट गए। डीजल की अधिक मांग के चलते कई जगहों पर सड़क तक लंबी कतारें लग गईं। इससे जाम जैसी स्थिति भी बनी रही।

पेट्रोल पंप संचालकों का कहना है कि जल्द ही आपूर्ति सामान्य हो जाएगी। हालांकि लगातार बनी किल्लत ने सप्लाई व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिलापूर्ति अधिकारी ने कहा कि जिले में सभी पंपों पर आपूर्ति जारी है और स्टॉक की कोई कमी नहीं है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि जरूरत के अनुसार ही पेट्रोल और डीजल खरीदें। घबराहट में अतिरिक्त भंडारण की वजह से किल्लत जैसी स्थिति बन रही है।

पेट्रोल पंप डीलरों का कहना है कि जल्द ही सभी पंपों पर ईंधन की आपूर्ति पूरी तरह बहाल हो जाएगी। हालांकि, इस अस्थायी किल्लत ने आपूर्ति व्यवस्था की मजबूती पर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रशासन का कहना है कि स्टॉक में कोई कमी नहीं है, लेकिन लोग घबराहट में भंडारण कर रहे हैं, जिसके कारण यह किल्लत महसूस हो रही है।

जिलापूर्ति अधिकारी एपी सिंह ने बताया कि सभी पंपों पर आपूर्ति जारी है और कहीं कोई समस्या नहीं है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे अपनी जरूरत के अनुसार ही पेट्रोल और डीजल खरीदें ताकि किसी तरह की अनावश्यक समस्या उत्पन्न न हो।

सपा नेताओं ने मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता–देवरिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दौरे के दौरान समाजवादी पार्टी के बरहज विधानसभा क्षेत्र के नेताओं ने उन्हें एक ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन में क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को उठाया गया। सपा नेताओं ने आरोप लगाया कि विकास परियोजनाओं में बरहज विधानसभा की उपेक्षा की जा रही है, जिससे स्थानीय जनता ठगा हुआ महसूस कर रही है। समाजवादी पार्टी बरहज विधानसभा अध्यक्ष रामबहादुर यादव के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में बरहज से सोनूघाट मार्ग की खराब स्थिति को प्रमुखता से उठाया गया। नेताओं ने बताया कि सड़क कई वर्षों से मरम्मत न होने के कारण पूरी तरह जर्जर हो चुकी है और इस पर आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। उन्होंने इस सड़क को शीघ्र दुरुस्त कराने की मांग की। ज्ञापन में सरयू नदी पर निर्माणाधीन मोहन सेतु का कार्य लंबे समय से बंद होने का मुद्दा भी शामिल था। सपा नेताओं ने कहा कि पुल का निर्माण अधूरा रहने से लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से पुल निर्माण कार्य को जल्द पूरा करने का आग्रह किया। किसानों से संबंधित समस्याओं का भी ज्ञापन में उल्लेख किया गया। नेताओं ने डीजल, पेट्रोल, उर्वरक और बिजली की बढ़ी हुई कीमतों को कम करने तथा उनकी पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की। इसके अतिरिक्त, घरेलू उपयोग की आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति में सुधार की भी बात कही गई।

मोबाइल टॉवर पर चढ़ी दो युवतियां, मचा हड़कंप

संवाददाता–महराजगंज। महराजगंज शहर के सक्सेना नगर मोहल्ला स्थित सूचना कार्यालय के समीप उस समय हड़कंप मच गया, जब दो युवतियां मोबाइल टावर पर चढ़ गईं। घटना के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई है। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी युवतियों को सुरक्षित नीचे उतारने के प्रयास में लगे हुए हैं।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि टावर पर चढ़ी युवतियों में एक पंजाब की रहने वाली है, जो स्थानीय एक आर्केस्ट्रा में डांसर के रूप में कार्य करती है। दूसरी युवती की पहचान और उसके संबंध में जानकारी जुटाने का प्रयास पुलिस कर रही है।

बताया जा रहा है कि कुछ दिन पूर्व उक्त युवती ने आर्केस्ट्रा संचालक के बेटे के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था, जिसके बाद पुलिस ने आरोपित को जेल भेज दिया था। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि उसी मामले या किसी अन्य विवाद को लेकर युवतियां टावर पर चढ़ी होंगी। हालांकि अभी तक उनके टावर पर चढ़ने के पीछे की वास्तविक वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है।

घटना के बाद क्षेत्र में अफरा–तफरी का माहौल बना हुआ है। पुलिस लगातार युवतियों को समझाने–बुझाने में जुटी हुई है। सदर कोतवाल निर्भय कुमार सिंह ने बताया कि दो युवतियों के मोबाइल टावर पर चढ़ने की सूचना मिली। इसके बाद तत्काल उच्चाधिकारियों को अवगत कराया गया और युवतियों को सुरक्षित नीचे उतारने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच पड़ताल कर रही है।

जनता दर्शन में सीएम योगी ने सुनी फरियाद, बोले– सबकी समस्या का समाधान सरकार की प्राथमिकता

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में आए लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा कि सबकी समस्या का समाधान सरकार की प्राथमिकता है। इस दौरान उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन समस्याओं का निस्तारण तत्परता, पारदर्शिता और संवेदनशील ढंग से किया जाए। इसमें किसी भी तरह की शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। हर समस्या का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक होना चाहिए। गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए शीघ्रता से समस्या समाधान के लिए निर्देशित किया। सीएम योगी ने अधिकारियों से कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी शीघ्रता से सहायता की जानी चाहिए। उन्होंने राजस्व और पुलिस से जुड़े मामलों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए कई लोगों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पैसे के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी।

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान शुक्रवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने तथा अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की प्रतिमा समक्ष शीश झुकाने के बाद वह मंदिर परिसर के भ्रमण पर निकले। मंदिर की गोशाला में पहुंचकर गोसेवा की। गायों और गोवंश को स्नेहिल भाव से गुड़ खिलाया। उन्होंने गोशाला के कार्यकर्ताओं को भीषण गर्मी के मौसम में गोवंश की देखभाल के लिए जरूरी दिशानिर्देश भी दिए। शुक्रवार सुबह मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने परिजनों के साथ आए बच्चों से मिल उन्हें प्यार–दुलार, आशीर्वाद और चॉकलेट दिया।

दोस्त के साथ चने खाने के बाद बिगड़ी तबीयत, छात्र की मौत

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। बृहस्पतिवार देर शाम एक छात्र की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। मृतक के बयान के आधार पर पिता ने उसके एक साथी पर विषाक्त पदार्थ का सेवन कराकर हत्या करने का आरोप लगाया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। मामले की जांच की जा रही है। घटना जैतपुर थाना क्षेत्र के रामगढ़ गांव की है। गांव निवासी विनोद मौर्य के पुत्र छात्र दिव्यांशु मौर्य (16) की मौत हुई है। बताया गया कि इस वर्ष दिव्यांशु ने माता बदल जायसवाल इंटर कॉलेज, भीखपुर से हाईस्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। अब 11वीं में प्रवेश की तैयारी थी। पिता विनोद के अनुसार, दिव्यांशु बृहस्पतिवार शाम को घर पर ही था। इसी बीच उसके एक पुराने साथी अंकित श्रीवास्तव ने फोन करके मिलने के लिए बुलाया। दिव्यांशु गांव से कुछ दूरी पर बाजार में उससे मुलाकात करने गया। वहां दोनों ने साथ में कुछ खाया–पिया। इसके बाद अपने–अपने घर चले गए। घर पहुंचने के कुछ देर बाद दिव्यांशु की हालत बिगड़ने लगी। उसे उल्टियां शुरू हो गईं।

परिजनों ने तत्काल एक चिकित्सक को बुलाकर दिखाया, लेकिन चिकित्सक ने हालत गंभीर बताते हुए जवाब दे दिया। इसके बाद परिजन उसे पहले स्थानीय अस्पताल लेकर गए और फिर आजमगढ़ के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वहां शुक्रवार सुबह करीब 5.00 बजे उसने दम तोड़ दिया। परिजन शव लेकर घर चले गए और वहां पहुंचकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने छात्र के शव का पोस्टमार्टम कराया।

सैर–सपाटे पर निकले दोस्तों की बाइक तेज रफ्तार वाहन से टकराई, दो की मौत

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। बृहस्पतिवार रात दर्दनाक हादसा हो गया। बाइक पर सैर–सपाटे पर निकले दो दोस्तों की बाइक की टक्कर अज्ञात वाहन से हो गई। रफ्तार तेज होने और हेलमेट न पहने होने के कारण सिर में चोट लगने से दोनों युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने बाइक कब्जे में लेकर वाहन की तलाश शुरू कर दी है। हादसा अकबरपुर इलाके के इब्राहिमपुर मार्ग पर डल्लापुर के निकट हुआ। इब्राहिमपुर थाना क्षेत्र के डांडी महमूदपुर गांव निवासी सुरेंद्र पताप सिंह का पुत्र शिवांशु (18) रात करीब 09.45 बजे अपनी बाइक से घर से निकला था। उसने गांव के ही नंदलाल के पुत्र अपने मित्र अंकित यादव (21) को साथ ले लिया।

दोनों अकबरपुर–इल्तिफातगंज मार्ग पर सैर–सपाटा करने निकल गए। इसके बारे में परिवार के लोगों को कोई जानकारी नहीं दी। चंद मिनटों बाद ही डल्लापुर गांव के पास बाइक से तेज रफ्तार अज्ञात वाहन से सामने से टकरा गया। हादसा इतना जबरदस्त था कि दोनों युवक उछलकर दूर जा गिरे। हेलमेट न पहने होने के कारण सिर में गंभीर चोट लग गई। मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने युवक अंकित की पहचान कर ली। तत्काल परिवार के लोगों को फोन करके सूचित किया। इसके बाद परिजन व स्थानीय लोग दोनो को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया।

इंस्पेक्टर श्रीनिवास पांडेय ने जिला अस्पताल पहुंचकर घटना की जानकारी ली। साथ ही पुलिस टीम को दुर्घटनास्थल पर भेजकर बाइक कब्जे में ली। अज्ञात वाहन का पता लगाने की कोशिश जारी है। एएसपी पश्चिमी हरेंद्र कुमार ने बताया कि वाहन का पता लगाया जा रहा है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने के निर्देश दिए गए हैं। हादसे ने दो परिवारों की खुशियां निगल ली हैं। रात करीब 10 बजे जब दोनों परिवारों के लोग खा–पीकर सोने की तैयारी में थे, उसी समय फोन की घंटी बजी तो नींद–चौन सब उड़ गया। अंकित के परिवार में पिता नंदलाल यादव, मां कलावती, छोटे भाई मंजीत व बहन निगम के अलावा चाचा अवधेश यादव का रो–रोकर बुरा हाल है। पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे चाचा अवधेश अपने आंसुओं को रोक नहीं पा रहे थे। पिता बेटे की मौत से इस कदर सदमे में हैं कि पोस्टमार्टम से पहले अपने बेटे का चेहरा देखने की भी हिम्मत नहीं जुटा पाए। अंकित अपने पिता का खेती–बाड़ी में हाथ बंटाते थे। उधर, शिवांशु के परिजनों का भी रो–रोकर बुरा हाल है। परिवार में पिता सुरेंद्र प्रताप के अलावा मां वंदना सिंह, 10 वर्षीय भाई दिव्यांशु हैं। बाबा रामप्रताप अपने बड़े पौत्र की मौत के बाद बिलख रहे हैं। हर आने–जाने वाले से शिवांशु को वापस लाने की गुहार लगा रहे हैं। मृतक ट्रैक्टर चलाकर अपने परिवार के भरण पोषण में सहयोग करते थे।

राप्ती नदी में डूबा हाईस्कूल छात्र दोस्तों पर मां ने जताया शक

संवाददाता–गोरखपुर। झंगहा थाना क्षेत्र में राप्ती नदी में नहाने गए 10वीं का छात्र अंश मौर्या संदिग्ध हाल में डूब गया। शुक्रवार सुबह से एनडीआरएफ की टीम राप्ती नदी में उसकी तलाश में जुटी रही है, कोई सुराग नहीं मिल सका। जानकारी के मुताबिक अंश मौर्या रामगढ़ताल थाना क्षेत्र के महेवा का रहने वाला था। वह झंगहा के रामनगर स्थित अपने मामा के घर रहकर पढ़ाई करता था। अंश झंगहा के आदित्य पब्लिक स्कूल का छात्र था और इस बार हाईस्कूल परीक्षा में स्कूल टॉपर बना था। उसके पिता राम प्रवेश मौर्या पंजाब में टाइल्स का काम करते हैं। घटना की सूचना मिलने पर वह पंजाब से गोरखपुर के लिए रवाना हो गए हैं।

मां प्रतिमा मौर्या ने आरोप लगाया कि उनके बेटे के दोस्तों ने ही उसे डुबोया है। उन्होंने कहा कि अंश पढ़ाई में बहुत तेज था और उससे लोग जलते थे। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। परिजनों के अनुसार गुरुवार दोपहर अंश अपने पांच दोस्तों के साथ घर से निकला था। शाम करीब तीन बजे उसके राप्ती नदी में डूबने की सूचना मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से तलाश शुरू कराई, लेकिन अंधेरा होने के कारण पहले दिन रेस्क्यू पूरा नहीं हो सका। शुक्रवार सुबह एनडीआरएफ टीम ने दोबारा सर्च अभियान शुरू किया। पुलिस जांच में एक नया मोड़ तब आया जब नदी किनारे झाड़ियों में अंश के कपड़े मिले। जबकि दोस्तों ने पुलिस को बताया था कि अंश कपड़े पहनकर ही नहा रहा था। इस विरोधाभास के बाद पुलिस दोस्तों से गहन पूछताछ कर रही है। झंगहा थाना प्रभारी अनूप सिंह ने बताया कि छात्र की तलाश के लिए नदी में लगातार रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है।

ग्राम पंचायत– सेखुईयां विकास खण्ड जोगिया जनपद–सिद्धार्थनगर

अल्पकालीन निविदा सूचना

ग्राम पंचायत **सेखुईयां** द्वारा जी राम जी / राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना / विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) / 15वां / 16वां वित्त /केन्द्रीय वित्त / पंचम राज्य वित्त आयोग /उत्सव भवन / स्वच्छ भारत मिशन/एम.एल. एल.डब्ल्यू. एम. / सांसद / विधायक एम. एल. सी. निधि के अन्तर्गत वर्ष 2026–2027 में स्वीकृत योजनाओं के अन्तर्गत कराये जाने वाले कार्यों में प्रयोग हेतु सामग्री आपूर्ति हेतु (प्रथम श्रेणी ईंट, सीमेंट, ईंट की गिट्टी, पत्थर की गिट्टी, सरिया, पेंट, साइनबोर्ड, ह्यूम पाइप, स्ट्रीट लाइट, सफाई सामग्री, बेला, सादा बालू, मोरंग बालू, कूड़ादान, प्लास्टिक बैंक, ई–रिक्शा साइकिल, ई–रिक्शा मरम्मत, स्वच्छता किट, इन्सिनरेटर आदि एवं अन्य प्रकार की निर्माण में प्रयुक्त सामग्री आदि) की आवश्यकता है। इस निमित्त निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 29–05–2026 को समय 02:00 बजे तक अपनी निविदा फार्म मूल्य रू100.00 के स्टाम्प पेपर तथा वांछित प्रपत्र बंद लिफाफे में कार्यालय/स्थान ग्राम पंचायत **सेखुईयां** निविदा बॉक्स में डालेंगे। निविदा उसी दिन 03:00 बजे निविदाताओं के समक्ष खोली जाएगी। शर्तें एवं नियमावली: 1. अधिकृत फर्म/अधिकृत डीलर का जी. एस.टी. रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा 03 वर्ष का आयकर क्लियरेंस संलग्न करना अनिवार्य है। 2. जी. एस. टी. तथा कार्टेज चार्ज जोड़कर ही दरें प्रस्तुत की जाएं। 3. आपूर्तिकर्ता को आपूर्ति पर 2.28 प्रतिशत आयकर/टीडीएस देना होगा। 4. प्रस्तुत दरें पी.डब्ल्यू.डी. द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होंगी। भुगतान पी.डब्ल्यू.डी. के समयानुसार तय दर पर ही किया जाएगा। 5. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान, रोजगार सेवक, पंचायत सहायक, टीए, अवर अभियंता के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जाएगी 16. धरोहर की धनराशि रू 5000.00 (पांच हजार) होगी। 7. धरोहर की राशि राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफडीआर/एनएससी एवं डाकघर के बचत पत्र के रूप में सचिव ग्राम पंचायत के नाम बंधक होगी। मूल प्रति संलग्न करना अनिवार्य है। 8. निविदा स्वीकृत होने के उपरांत ग्राम प्रधान सचिव ग्राम पंचायत द्वारा आदेश देने पर ही सामग्री की आपूर्ति की जाएगी। 9. आदेश देने के सात दिनों के अंदर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर की धनराशि जब्त कर ली जाएगी। 10. सामग्री की आपूर्ति स्वीकृत दर से निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। 11. सामग्री की मात्रा कार्य के अनुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है। 12. आपूर्ति कर्ता को भुगतान का इंजीनियर/अवर अभियंता (या अभियंता) /तकनीकी सहायक द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा माप के उपरांत किया जाएगा। गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर भुगतान नहीं किया जाएगा। 13. निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र रू 100.00 में ही स्वीकार किया जाएगा। 14. निविदा फार्म किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से निर्धारित मूल्य देकर प्राप्त किया जा सकता है। 15. निविदा को बिना कारण बताए निरस्त करने का अधिकार ग्राम प्रधान/सचिव ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित रहेगा। 16. निविदा के सम्बन्ध में अन्य जानकारी सचिव ग्राम पंचायत **सेखुईयां** से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है। 17. जिस कार्य की निविदा पृथक से निकाली जाएगी उस कार्य पर इस निविदा की शर्तें लागू नहीं होंगी।

ग्राम प्रधान	सचिव
हनुमान	मुहम्मद मुस्तफा
ग्राम पंचायत–सेखुईयां	ग्राम पंचायत–सेखुईयां
विकास खण्ड–जोगिया,	विकास खण्ड–जोगिया
सिद्धार्थनगर	सिद्धार्थनगर

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान प्रथम अपर सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–1016/2012
अवधेश
बनाम
राजकली
अरविन्द पुत्र प्रेमचन्द्र साकिन बन्नी तप्पा कड़र परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 10–07–2026

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 10 माह 07 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
(आर्डर 5 कायदा 3)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला बस्ती
प्रकीर्ण वाद सं0–399/2022
गंगाराम आदि
बनाम
खलील आदि
1/1 रियाज उम्र करीब 58 वर्ष 1/2 अब्दुल वाहिद उम्र करीब 54 वर्ष 1/3 शाह मोहम्मद उम्र करीब 48 वर्ष पुत्रगण खलील 1/4 शहनाज खातून उम्र करीब 40 वर्ष पुत्री खलील 4. शमीम उम्र करीब 29 वर्ष 5. नसीम उम्र करीब 26 वर्ष पुत्रगण दारे उर्फ सूबेदार 7. कमील उम्र करीब 60 साल पुत्र खलील निवासीगण ग्राम चौरी तप्पा सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती
–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
तारीख पेशी 22–07–2026

चूंकि उपरीनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2026 के माह 07 के 22 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 2026 के 05 माह के 19 दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

वाद की खारिजी को अपास्त किये जाने के आदेश को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन की सूचना
(आदेश 9, नियम 9, (2) व्य0 प्र0 संहिता 1908)
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) नौगढ़ जिला–सिद्धार्थनगर
मूलवाद स0 428/1989
प्रकीर्णवाद सं0 09/2002
प्रकीर्णवाद सं0– 12/2026
मृतक ढुलई आदि
बनाम
मृतक मंगरू आदि
मृतक मंगरू पुत्र झिनकान 1/1 फागू उम्र करीब 61 वर्ष 1/2 बन्धुराम उम्र करीब 50 वर्ष पुत्रगण मंगरू निवासीगण रोहुडीला टोला लकड़ा तप्पा घोष परगना नौगढ़ तहसील नौगढ़ जिला–सिद्धार्थनगर हाल पता ग्राम चकईजोत टोला कंचनिया तप्पा घोष परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जिला–सिद्धार्थनगर 2. मृतका इन्द्रा पत्नी सुखराम वर्तमान पत्नी बैजनाथ
तारीख पेशी 02–07–2026

चूंकि पूर्वोक्त वादी (गण) आवेदक (गण) बसंती व अन्य ने इस न्यायालय में एक आवेदन उपरिनामांकित वाद की खारजी अपास्त करने के आदेश की अभिप्राप्ति के लिये इस न्यायालय के निर्देशानुसार सन 2002 मास के 07 दिवस 26 को दिवस को पेश किया है। अत एव आपको सूचना दी जाती है कि इस न्यायालय में 2026 के 07 के 02 दिवस को स्वयं या इस न्यायालय के अधिवक्ता या सम्यकरूपेण अधिकृत मुख्तार द्वारा जो इस बात के तथ्यों की जानकारी रखता हो उप संजात होकर हेतु (यदि कोई हो) सन्दर्शित करें कि उपरिनामांकित का आवेदन क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज 2026 के 05 के 22 के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–31/2024
बलराम
बनाम
राम आसरे
4/1 पुष्पा 4/2 कंचन 4/3 नीलम पत्रीगण स्व0 राम प्रसाद निवासी ग्राम भूवर तप्पा दुबखरा परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 16–07–2026

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 16 माह 07 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0– T202317140203622
धारा 34
अदालत– श्रीमान नायब तहसीलदार भानपुर जिला बस्ती
अनवर अली
बनाम
अमीरूल्लाह
1. अनवर अली सुत्र सुबराती साकिन नरखोरिया तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती
तारीख पेशी 26–05–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 26 माह 05 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

प्रारूप 7
(देखे नियम–11 (1)
घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा–12 (1) के अधीन हाजिर होने के लिए सूचना
अदालत–श्रीमान जे0एम0/ एफ0 टी0 सी0 (सी0ए0डब्लू0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्ण घरेलू हिंसा वाद संख्या–924/2022
थाना–छावनी
जिला–बस्ती
शालिनी
बनाम
श्याम किशोर त्रिपाठी आदि
1. श्याम किशोर त्रिपाठी उम्र लगभग 35 वर्ष पुत्र राकेश त्रिपाठी निवासीगण ग्राम तालागांव थाना छावनी जिला बस्ती 2. राकेश त्रिपाठी पुत्र शोभाराम त्रिपाठी 3. शिव नारायन पुत्र शोभाराम त्रिपाठी 4. पंकज त्रिपाठी पुत्र शिवनरायन 5. मन्जू त्रिपाठी पत्नी राकेश त्रिपाठी निवासीगण ग्राम तालागांव थाना छावनी जिला बस्ती 6. मनोज पाण्डेय पुत्र निवासी ग्राम भटहपुरवा थाना सोनहा जिला बस्ती
–विपक्षीगण
तारीख पेशी 08–06–2026

याची ने घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 (2005 का 43) की धारा– 12 के अधीन आवेदन फाइल किया है/किये है। आपको यह कारण बताने के लिए कि क्यों न आवेदक द्वारा मांगे गये (अनुतोषो) को आपके विरूद्ध प्रदान कर दिया जाय व्यक्तिगत रूप से या सम्यक रूप से प्राधिकृत काउन्सेल के मार्पत तारीख 08 मास 06 सन् 2026 को बजे पूर्वान्ह/अपरान्ह में इस न्यायालय के समक्ष हाजिर होने का निर्देश दिया जाता है। इसमे असफल होने पर न्यायालय एक पक्षीय कार्यवाही करेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन तारीख को दी गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सीनियर डिवीजन) बस्ती
मूलवाद संख्या 765 सन् 2025
रमाकान्त यादव
बनाम
श्रीमती किरन यादव आदि
1– श्रीमती किरन यादव उम्र लगभग 32 वर्ष पत्नी सर्वेश यादव निवासिनी ग्राम चंगेरवा, डाकघर गौरा उपाध्याय तप्पा कपरी महसों परगना महुली पश्चिम, तहसील बस्ती, जनपद बस्ती –प्रतिवादिनी प्रथम वर्ग 2– सर्वेश यादव उम्र लगभग 34 वर्ष पुत्र रामानन्द निवासी ग्राम चगेरवा, डाकघर गौरा उपाध्याय, तप्पा कपरी महसों परगना महुली पश्चिम, तहसील बस्ती जनपद बस्ती –प्रतिवादी द्वितीय वर्ग 3 – श्रीमती प्रमिला देवी उम्र लगभग 51 वर्ष पत्नी रामानन्द निवासिनी ग्राम चंगेरवा, डाकघर गौरा उपाध्याय, तप्पा कपरी महसों, परगना महुली पश्चिम, तहसील बस्ती, जनपद बस्ती –प्रतिवादिनी तृतीय वर्ग 4 श्रीमती सीमा देवी उम्र लगभग 40 वर्ष पुत्री रामानन्द 5 – राम प्रवेश यादव उम्र लगभग 28 वर्ष पुत्र रामानन्द निवासीगण ग्राम चंगेरवा, डाकघर गौरा उपाध्याय, तप्पा कपरी महसों परगना महुली पश्चिम, तहसील बस्ती जनपद बस्ती –प्रतिवादीगण चतुर्थ वर्ग 6 बाबूलाल वयस्क 7 सन्तराम वयस्क पुत्रगण रघुनाथ 8– जोगेन्द्र वयस्क पुत्रगण विश्वनाथ 9 – जितेन्द्र यादव वयस्क 10– महेन्द्र वयस्क पुत्रगण राम प्रताप 11– श्रीमती यशोदा देवी वयस्क पत्नी राम प्रताप 12– राम तीरथ वयस्क पुत्र कोकई 13– रंगीलाल वयस्क 14– कन्हैया वयस्क 15– मुन्नीलाल वयस्क पुत्रगण कपिलदेव 16– दयाराम वयस्क पुत्र रमेसर 17– अम्बिका वयस्क 18– बबलू वयस्क पुत्रगण मनोहर 19– श्रीमती लालमती देवी वयस्क पत्नी रामराज 20– धर्मेन्द्र उर्फ धरमेन्द्र वयस्क 21 सुरेन्द्र वयस्क पुत्रगण रामराज 22– राम जनम उर्फ अलगू वयस्क पुत्र रामलौट 23– राम सागर वयस्क 24– सत्यनरायन वयस्क पत्रगण रामदेव 25– इन्देश वयस्क पुत्र राम ललित 26– राम जनक वयस्क 27– राम सुमेर वयस्क पुत्रगण राम बहाल 28 – खेदू उर्फ बखेड़ू वयस्क पुत्र अयोध्या 29– रमापति वयस्क 30 – श्यामपति वयस्क पुत्रगण झिनकू 31– शिवनाथ वयस्क पुत्र नन्दन 32– रामजग वयस्क 33 – रामाज्ञा वयस्क पुत्रगण झिनकान 34 – निरमल उर्फ निर्मल वयस्क पुत्र नगेसर 35– श्रीगोविन्द वयस्क 36 – श्रीकृष्ण वयस्क पुत्रगण राम अवध 37– दयाराम वयस्क पुत्र रामलौट 38– श्याम सुन्दर वयस्क पुत्र राम तीरथ 39 रामरुप वयस्क 40– शेषदत्त वयस्क पुत्रगण सीताराम 41– कन्तलाल वयस्क पुत्र रामदास 42– राम सूरत वयस्क 43– इन्नर वयस्क पुत्रगण शंकर 44– श्याग सुन्दर वयस्क पुत्र कोकई 45– लालचद वयस्क 46– हरिश्चन्द्र वयस्क पुत्रगण राम शब्द 47– हरिकरन वयस्क पुत्र मोहन 48– गजराज वयस्क पुत्र भरोस 49– बबलू वयस्क 50– फूलचन्द्र वयस्क 51– कृष्ण चन्द्र वयस्क 52– दीपचन्द्र वयस्क पुत्रगण राम करन 53– रामरेख वयस्क पुत्र राम नौकर 54– सत्येन्द्र वयस्क 55– शैलेन्द्र वयस्क 56– शिशु वयस्क पुत्रगण धर्मराज 57– हरिओम वयस्क पुत्र नन्दलाल 58– दिनेश चन्द्र वयस्क 59– प्रेमचन्द्र वयस्क पुत्रगण राम नयन 60– श्रीमती नर्वदा यादव वयस्क पत्नी गिरजेश चन्द्र यादव 61– श्रीमती मीरा यादव वयस्क पत्नी सतीश चन्द्र यादव 62– गोगई वयस्क 63– पारस वयस्क पुत्रगण बृजलाल 64– राम पियारे वयस्क पुत्र बुझावन 65– हरीराम वयस्क 66– मनीराम वयस्क 67– बाबूराम वयस्क पुत्रगण राम उजागिर निवासीगण ग्राम चंगेरवा, डाकघर गौरा उपाध्याय, तप्पा कपरी महसों, परगना महुली पश्चिम, तहसील बस्ती, जनपद बस्ती 68– झीनक वयस्क पुत्र नन्दलाल 69– गोविन्द लाल वयस्क पुत्र श्रीराम निवासी ग्राम पिकौरा हाल मुकाम ग्राम चंगेरवा, डाकघर गौरा उपाध्याय, तप्पा कपरी महसों, परगना महुली पश्चिम, तहसील बस्ती, जनपद बस्ती 70– श्रीमती राजेश्वरी देवी वयस्क पत्नी सुरेन्द्र प्रसाद उपाध्याय निवासी ग्राम सुकरौली, डाकघर गौरा उपाध्याय, तप्पा कपरी महसों, परगना महुली पश्चिम, तहसील बस्ती, जनपद बस्ती –प्रतिवादीगण पंचम वर्ग
तारीख पेशी 01–08–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 01 माह 08 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0– T202317140308382
धारा 34
अदालत– श्रीमान नायब तहसीलदार कुदरहा जिला बस्ती
सुधीर पाल
बनाम
जयन्त्री प्रसाद
1. हरिकेश पुत्र जयन्त्री प्रसाद दूबे निवासी साकिन परसाकुहकुल तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 16–06–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 16 माह 06 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 21 माह 05 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com